संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 60
पृष्ठ 8
मंगलवार
17 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- टुटला भवानी वॉटरफॉल...

विचार- सुकून भीतर है, उसे बस बाहर लाना है

खेल- रोहित को लेकर किस तरह बढ़ी प्रज्ञान...

पात्र व्यक्ति योजनाओं से नहीं रहेगा वंचित-योगी

- सीएम ने किया जनगणना 2027 के तृतीय संस्करण का शुभारंभ
- सटीक जनगणना से बनेगी विकसित यूपी की ठोस कार्ययोजना : योगी



लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनगणना 2027 उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनगणना से प्राप्त सटीक और प्रामाणिक आंकड़ों के आधार पर सरकार भविष्य की योजनाओं की ठोस कार्ययोजना तैयार कर सकेगी। इससे प्रशासन को योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में भी मदद मिलेगी। अभी तक प्रदेश की अधिकांश विकास योजनाएं 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित रही हैं। जनगणना के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का पता लगाना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित लोकभवन में जनगणना 2027 के तृतीय संस्करण का शुभारंभ किया। जिसके पास सही आंकड़े होंगे, वह उतनी ही प्रभावी ढंग से अपनी योजनाएं बना और लागू कर सकेगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। भारत का हर छठा व्यक्ति यूपी में रहता है, जबकि दुनिया का हर 36वां व्यक्ति प्रदेश में निवास करता है। मुख्यमंत्री ने जनगणना में किसी भी व्यक्ति या समुदाय के छूटने को गंभीर विषय बताते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश के मुसहर समाज का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि समाज का यह सबसे विपन्न तबका लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहा। उनके पास पक्के मकान तो दूर, झोपड़ी वाली जमीन का भी मालिकाना अधिकार नहीं था। कई परिवारों के पास राशन कार्ड और दूसरी सरकारी सुविधाएं तक नहीं थीं। यदि पिछली जनगणनाओं में उनकी वास्तविक स्थिति सामने आई होती तो वे पहले ही सरकारी योजनाओं के पात्र बन सकते थे। उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से 30 नवंबर तक स्वगणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके तहत नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर स्वयं और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे।जनगणना के दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति से धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय, मातृभाषा और अन्य जनसांख्यिकीय पहलुओं से जुड़े 40 प्रश्न पूछे जाएंगे। सीएम ने कहा कि प्रदेश की सबसे बड़ी आबादी को देखते हुए यहां जनगणना की विशेष जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और विनम्रता के साथ काम करने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर सही जानकारी जुटाना जरूरी है। किसी भी व्यक्ति को जनगणना से छूटना नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे स्वगणना में अपने माता-पिता, बुजुर्गों और पड़ोसियों की ऑनलाइन जानकारी दर्ज कराने में मदद करें तथा स्वगणना पूरी होने के बाद प्राप्त आईडी सुरक्षित रखें। इस दौरान वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, विधायक डॉ. नीरज बोरा, विधायक जय देवी समेत कई नेता और अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम मोदी का फिलीपींस दौरा

मनीला एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

मनीला, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को फिलीपींस के तीन दिवसीय दौरे पर मनीला पहुंचे। इस दौरान मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपींस के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। पीएम मोदी के स्वागत में कई रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। पीएम मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के देशों के साथ संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्रीय व वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करना है। पीएम मंगलवार को 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वह फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर वहां पहुंचे हैं। मनीला रवाना होने से पहले सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आसियान देशों के साथ भारत के संबंध उसकी एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र में हैं और महासागर (ड।भ्ै।ळ।ट) विजन में भी इनका महत्वपूर्ण स्थान है। महासागर का पूरा नाम म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन है। इसका अर्थ विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र प्रगति है। यह भारत का विस्तारित वैश्विक समुद्री सिद्धांत है। अपने प्रस्थान वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में अन्य नेताओं के साथ मिलकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और विकास, संपर्क तथा समृद्धि से जुड़ी साझा आकांक्षाओं को नई गति देने के लिए उत्सुक हैं।



कुलगाम में लतीफ भट समेत दो आतंकी मारे जाने की सूचना, सीआरपीएफ टीम पर हमले में आया था नाम

जम्मू, एजेंसी। सोमवार को कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकी के मारे जाने की सूचना है। इनमें लश्कर का टॉप कमांडर आतंकी लतीफ भट भी शामिल है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टी नहीं हुई है। लतीफ भट पर बुधवार को कुलगाम में सीआरपीएफ के सुरक्षा ठिकाने पर हुए हमले में शामिल होने का शक था। कुलगाम जिले में सीआरपीएफ की टीम पर हुए हमले के बाद सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान जारी है।

कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर करीब सवा दो बजे दो आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से सीआरपीएफ के नाके पर हमला कर दिया। हमले में तीन जवान घायल हो गए थे। वारदात कुलगाम के नौपोरा अखरन इलाके की है। यह स्थान श्रीनगर से लगभग 75 किलोमीटर दूर और कड़ी सुरक्षा वाले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से बमुश्किल एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन का दल नौपोरा अखरन इलाके में नियमित ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान पैदल पहुंचे दो आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान घायल हुए तीनों जवानों को जीएमसी अनंतनाग में भर्ती कराया गया।

चक्रवाती तूफान अकवान का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में बना गहरा दबाव क्षेत्र सोमवार शाम तक 'अकवान' नामक भीषण चक्रवाती तूफान का रूप लेकर आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ सकता है। इससे राज्य पर तीन सप्ताह में तीसरी बार शक्तिशाली चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है। अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु, दोनों राज्यों के मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

चुनाव आयोग से मांगे इन 48 सवालों के जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच विवाद तेज होता जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दाखिल की है। इसमें चुनाव आयोग को 48 लिखित सवाल भेजने की अनुमति मांगी गई है। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से हलफनामे के जरिए जवाब देने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि देशभर में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान एकतरफा फैसले लिए गए, मतदाताओं के नाम हटाए गए और चुनाव आयोग के ऑनलाइन पोर्टल में बिना उचित मंजूरी के बदलाव किए गए। विपक्षी नेताओं ने इन सभी मामलों पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जानकारी मांगी है। राहुल गांधी और अन्य याचिकाकर्ताओं का मुख्य सवाल यह है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी, सहमति या मंजूरी



के बिना आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल किया? चुनाव आयोग ने 26 अक्तूबर को दाखिल जवाबी हलफनामे और 14 नवंबर को दाखिल पूरक हलफनामे में कहा था कि ैप्ट से जुड़े आदेश तीन सदस्यीय आयोग के सर्वसम्मत फैसले के बाद जारी किए गए थे। ये हलफनामे उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु की ओर से दाखिल किए गए थे। हालांकि, याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आयोग ने अपने दावे के समर्थन में फाइल नंबर, तारीख या बैठकों का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने अगस्त 2025 में मिले एक त्ज् जवाब का भी हवाला दिया है। इसके मुताबिक, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा था कि देशभर में एसआईआर शुरू करने का कोई फैसला नहीं लिया गया था। अर्जी में मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से भी जवाब मांगा गया है। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने मांग की है कि फरवरी 2025 से अक्तूबर 2026 के बीच इन दोनों चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर, म्ब्छम्ज्, फॉर्म-6 या अदालत में दाखिल अपीलों को लेकर कब-कब लिखित आपत्ति, असहमति या विरोध दर्ज कराया, इसकी पूरी जानकारी दी जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि चुनाव आयोग को इस संबंध में रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध कराने चाहिए। अर्जी में चुनाव आयोग के महानिदेशक (आईटी) से भी कई अहम सवाल पूछने की मांग की गई है। इनमें पूछा गया है कि क्या निजी कंपनियों या बाहरी वेंडरों को मतदाता सूची के डेटाबेस में बदलाव करने की अनुमति थी? इसके अलावा यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि क्या मतदाता पंजीकरण अधिकारियों के आदेश के बिना बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने डॉ. विवेक जोशी की ओर से प्रस्तावित एक्सेस ऑडिट पर भी जानकारी मांगी है। इसमें यह बताने की मांग की गई है कि डेटाबेस तक पहुंच रखने वालों की जांच के लिए क्या कदम उठाए गए। राहुल गांधी की अर्जी में ऑनलाइन फॉर्म-6 में नया घोषणा-पत्र जोड़ने के फैसले पर भी सवाल उठाए गए हैं।

आंखें बंद करूं तो सामने दिखते हैं दादा

अजित पवार को याद कर भावुक हुए शाह, बोले- उनका जाना अपूरणीय क्षति

पुणे, एजेंसी। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से



पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। गृह मंत्री ने कहा कि दादा का व्यक्तित्व इतना जीवंत और सकारात्मक था कि आज भी अगर मैं अपनी आंखें बंद करूं तो मुझे दादा अपने ठीक सामने खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि दादा केवल उनके करीबी मित्र ही नहीं थे, बल्कि सच्चे सहयोगी भी थे। उनके जाने से देश ने एक जननेता खो दिया है। दादा के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि दिवंगत एनसीपी नेता की कार्यशैली भविष्य के राजनीतिक नेताओं के लिए एक विश्वविद्यालय की तरह काम करेगी। अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था।

PRESS
हमेशा आपके साथ
शहर समता NEWS

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

भयहरणनाथ धाम में नगर पंचायत द्वारा हो रहे विकास कार्यो का हुआ सामाजिक अवलोकन

5 दिसंबर को होगा भव्य वार्षिक अधिवेशन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ क्षेत्रीय विकास संस्थान की बैठक प्रशासनिक कार्यालय के सामने हुई। बैठक में चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिया गया तथा धाम में नगर पंचायत द्वारा हो रहे विकास कार्यों का स्थलीय भ्रमण कर जायजा लेकर आवश्यक सुझाव भी दिया गया। बैठक में नगर पंचायत, प्रबन्ध समिति व पुलिस विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे लेकिन राजस्व विभाग के प्रतिभाग न करने पर बैठक से संपर्क किया गया, राजस्व कर्मियों ने कवेंसन सेंटर हेतु भूमि चिन्हांकन में शीघ्र सहयोग का वायदा किया।

बैठक का संयोजन व संचालन करते हुए धाम के महासचिव



समाज शेखर ने सर्व प्रथम बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। तत्पश्चात भ्रमण कर सदस्यों ने हो रहे कार्यो का अवलोकन किया। सर्व सम्मति से सभी ने प्रस्ताव रखा कि संस्थान के कार्यालय प्रभारी को नगर पंचायत के सुपर वाइजर के रूप में नियुक्त कर दिया जाए तो धाम के प्रबन्धन में सुविधा होगी जिस पर अध्यक्ष ने औपचारिकता पूर्ण कराके जल्द प्रभावी कार्यवाही का आश्वासन दिया।

बैठक में तय हुआ कि प्रति वर्ष की भाँति विश्व स्वयं सेवक दिवस 5 दिसंबर को धाम वार्षिक अधिवेशन होगा। जिसमें प्रथम सत्र में ष्धाम व नगर के विकास में नगर पंचायत, पुलिस व समाज की भूमिकाष विषयक संवाद आयोजित होगा। द्वितीय सत्र में वार्षिक कार्य योजना का निर्धारण व आगामी प्रबन्ध समिति पुनर्गठन तिथि व प्रक्रिया व 27 वें महाकाल महोत्सव के कार्यक्रम तय कर अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगे। आयोजन में प्रबन्धन ने अपनी भूमिका तय की। सभी उपस्थित सदस्यों व पदाधिकारियों ने हो रहे कार्यो की सराहना करते हुए गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराये जाने की सलाह दी। प्रस्तावित घाट तथा 2010 में पुनरोधारित शिवगंगा तालाब का सौंदर्यीकरण का कार्य राजस्व अभिलेखों में दर्ज रकबे व मानक के अनुसार कराये जाने की सलाह नगर पंचायत अध्यक्ष को दी गई। मुख्य मन्दिर परिसर में लगाए जाने वाले पत्थर कार्य का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुझाव दिया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक हीरा लाल, ओम प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष संगठन अमर बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, प्रबन्ध समिति सदस्य अनिल मिश्र सोनू, आर्य शेखर, मेला सचिव अनिल मिश्र, मन्दिर सचिव मुरली पांडेय, ठेकेदार आलोक सिंह, सूरज मिश्र, महेंद्र सिंह, अवधेश मिश्र, धर्मेंद्र पटेल, अकबर अली, राकेश तिवारी व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम शामिल रहे।

मदद फाउंडेशन के तीन पदाधिकारियों को मिला धन्वंतरि सम्मान, मंगला प्रसाद तिवारी, अमृता तिवारी और अरविंद कुमार पांडेय हुए सम्मानित

महर्षि भारद्वाज जयंती समारोह एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी में मिला सम्मान, रविवार की रसोई के जरिए 50 हजार से अधिक जरूरतमंदों तक पहुंचाया गया निःशुल्क भोजन

प्रयागराज। विश्व आयुर्वेद परिषद उत्तर प्रदेश, प्रयागराज की ओर से महर्षि भारद्वाज जयंती समारोह एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन होटल आनंद कांटिनेंटल में किया गया। नागार्जुन फार्मास्यूटिकल्स के सहयोग से आयोजित इस समारोह में आयुर्वेद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विद्वानों, चिकित्सकों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मदद फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी, सह–संस्थापिका अमृता तिवारी एवं संस्था के जिलाध्यक्ष (प्रयागराज) अरविंद कुमार



पांडेय को उनके सामाजिक सेवा कार्यों के लिए धन्वंतरि सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मदद फाउंडेशन की ओर से संचालित श्रविवार की रसोईश के माध्यम से निराश्रित, जरूरतमंद और बेसहारा लोगों तक निःशुल्क भोजन पहुंचाने के निरंतर प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। मदद फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से श्रविवार की रसोईश अभियान के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा में जुटा है। संस्था का उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न सोए। जनसहयोग और सदस्यों के योगदान से संचालित इस अभियान के तहत अब तक 50 हजार से अधिक लोगों तक निःशुल्क भोजन पहुंचाया जा चुका है। संस्था के इस निरंतर सेवा प्रयास की समारोह में उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकों एवं गणमान्य लोगों ने सराहना की। समारोह की अध्यक्षता विश्व आयुर्वेद परिषद उत्तर प्रदेश के सचिव डॉ. एसएस उपाध्याय ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पीएस पांडेय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विजय राय, हंडिया आयुर्वेदिक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएन उपाध्याय एवं डीओ डॉ. नवीन सोनी शामिल रहे। इस अवसर पर आयोजित वैज्ञानिक संगोष्ठी में अनेक विद्वान आयुर्वेद विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी का विषय शरद ऋतु जन्य व्याधियों का निदान एवं उपचार रहा, जिसमें मौसमी बीमारियों और उनके आयुर्वेदिक उपचार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में डॉ. बीएस रघुवंशी द्वारा घोषित डॉ. रंजना त्रिपाठी एवं डॉ. विनोद गौड़ को भी धन्वंतरि सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एमडी दुबे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रयागराज अध्यक्ष डॉ. एससी दुबे ने किया। कार्यक्रम का आयोजन नीरज तिवारी, रीजनल सेल्स मैनेजर के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज शहर के वरिष्ठ चिकित्सक, आयुर्वेद विशेषज्ञ एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वर्षों से पुलिस को चकमा दे रहीं 39 मोस्ट वांटेड महिलाएं, चार पर 50 हजार का इनाम

प्रयागराज। पुरुष अपराधियों के साथ अब महिला आरोपियों की तलाश भी पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। प्रदेश में गंभीर अपराधों के 39 मामलों में वांछित महिलाएं वर्षों से फरार हैं। इनमें माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की पत्नियां भी शामिल हैं।

अपराध के मामलों में वांछित महिलाओं की लंबी सूची पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है। हत्या, दहेज हत्या, गैंगस्टर, धोखाधड़ी, विस्फोटक अधिनियम और देह व्यापार जैसे गंभीर मामलों में आरोपी प्रदेश की 39 महिलाएं अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इनमें प्रयागराज जोन की नौ महिलाएं शामिल हैं। चार महिलाओं पर 50–50 हजार रुपये तक का इनाम घोषित है।

इनमें कुछ महिलाएं दो साल से तो कुछ 11 साल तक से फरार हैं। कई मामलों में उनके पतियों पर भी इनाम घोषित किया गया है। प्रयागराज जोन के प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रतापगढ़ जिले की नौ महिलाएं पुलिस की इनामी सूची में शामिल हैं।



सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में हुई वारदात के मामले में मध्य प्रदेश की निवासी एक महिला पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। धूमनगंज थाने में विस्फोटक अधिनियम के मामले में वर्ष 2023 से फरार महिला पर 50 हजार रुपये का इनाम है। इसी थाना क्षेत्र के एक अन्य मामले में मेरठ के नौचंदी क्षेत्र की महिला पर 25 हजार रुपये और प्राणघातक हमले के मामले में एक अन्य महिला पर भी 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र में वर्ष 2015 में हुई चोरी के मामले में अतरसुइया क्षेत्र की महिला पर 20 हजार रुपये का इनाम है। वहीं, शिवकुटी में वर्ष 2024 की एक घटना में गोविंदपुर की महिला पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। प्रतापगढ़ कोतवाली के वर्ष 2025 के मामले में एक युवती और हमीरपुर के मौदहा थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 के प्राणघातक हमले के मामले में एक महिला पर 25–25 हजार रुपये का इनाम है। एसीपी विजय दुल का कहना है कि इनामी महिलाओं के मामलों की समीक्षा की जा रही है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

अतीक और मुख्तार की पत्नियां भी इनामी सूची में

इनामी महिलाओं की सूची में माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और मुख्तार अंसारी की पत्नी आफसा अंसारी का नाम भी शामिल है। शाइस्ता पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है। वह वर्ष 2023 से फरार बताई जा रही है। वहीं, आफसा पर भी 50 हजार रुपये का इनाम है और वह वर्ष 2022 से पुलिस की पकड़ से बाहर है।

अतीक के भाई अशरफ की पत्नी रूबी उर्फ जैनब पर भी 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। वह वर्ष 2023 से फरार बताई जा रही है।

पति–पत्नी दोनों पर इनाम, फिर भी गिरफ्तारी नहीं

इनामी सूची में ऐसे मामले भी शामिल हैं, जिनमें पति और पत्नी दोनों पुलिस के लिए वांछित हैं। बाराबंकी के एक मामले में आरोपी महिला और उसके पति पर 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में वर्ष 2025 के एक मामले में महिला और उसके पति पर 50–50 हजार रुपये का इनाम है।

वाराणसी के चेतगंज निवासी एक युवती पर भी 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है। लखनऊ जोन में अयोध्या, सीतापुर, रायबरेली और बाराबंकी समेत कई जिलों की महिलाएं लंबे समय से फरार हैं। अयोध्या के पूराकलंदर थाना क्षेत्र में हत्या समेत अलग–अलग मामलों में कई महिलाओं पर इनाम घोषित है। कुछ मामलों में एक साथ तीन से चार महिलाएं भी आरोपी हैं।

योग कक्षाओं को पुनः शुरू कराने और संगठन विस्तार पर बनी रणनीति, पतंजलि परिवार के कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

छठ पर्व पर योग प्रशिक्षकों एवं पदाधिकारियों को अंगवस्त्र, योग साहित्य और प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र देकर किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़। भारत स्वाभिमान न्यास के जिला कार्यालय पूरे बेदुआ, प्रतापगढ़ में रविवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक संगठनात्मक बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भजन एवं गीत–संगीत के साथ हुआ। बैठक में योग के प्रचार–प्रसार, संगठन विस्तार तथा जनपद में बंद हो चुकी योग कक्षाओं को पुनः प्रारंभ कराने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सह–योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर आयोजित कराने, पदाधिकारियों के बीच निरंतर संपर्क एवं संवाद बनाए रखने तथा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने की रणनीति तैयार की गई। इस अवसर पर छठ पर्व के उपलक्ष्य में पतंजलि परिवार की बहनों, कर्मठ योग प्रशिक्षकों, जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र, योग साहित्य एवं हरिद्वार मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आजीवन सदस्य कैप्टन प्रमोद पाण्डेय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मंजीत, आर्य समाज के प्रशासक विजय सिंह, योग एवं जुम्बा प्रशिक्षक सपना एवं पूनम, आदर्श योग परिवार के अध्यक्ष अखिलेश, चंद्रमणि त्रिपाठी, युवा संरक्षक धर्मेंद्र एवं प्रतीक सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक में भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी भूपेंद्र सिंह, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी गोविंद, महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी वंदना, युवा भारत के जिला प्रभारी नंदलाल, किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी कृष्ण कुमार, जिला कोषाध्यक्ष डी.एन. चड्ढा, जिला महामंत्री नारायण, जिला संगठन मंत्री धीरज, लालगंज तहसील प्रभारी डॉ. तपस विश्वास, संगठन मंत्री चंद्रपाल निर्मल, रानीगंज तहसील प्रभारी दीपक, सदर प्रभारी यजुवेंद्र, चैल तहसील प्रभारी एवं योग प्रशिक्षक इंद्रभान सहित संतोष यादव, बृजेश, संतोष, हलधर, गिरिजा महाराज, देवेंद्र, जूली सिंह, राजेश सहित पांचों संगठनों के पदाधिकारी एवं लगभग सैकड़ों साधक भाई–बहनों की सहभागिता रही।



बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 17 नवंबर 2026 को कुण्डा में आयोजित होने वाली पूज्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा में प्रतापगढ़ जनपद की संपूर्ण पतंजलि टीम सहभागिता करेगी। यह धार्मिक आयोजन माननीय विधायक रघुराज प्रताप सिंह (राजा भैया) के संयोजन में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम में पूज्य स्वामी जी के आगमन को लेकर भी चर्चा हुई। इसी क्रम में कुछ दिन पूर्व जनपद के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियों एवं सहभागिता के संबंध में आयोजकों से भेंट की थी। बैठक के माध्यम से संगठन ने योग को जन–जन तक पहुंचाने, नियमित योग कक्षाओं को सक्रिय करने तथा अधिकाधिक लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प दोहराया।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं कानपुर सांसद श्री रमेश अवस्थी ने कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के मध्य नई 'कानपुर एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कानपुर एक्सप्रेस से उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक, चमड़ा एवं शैक्षणिक केंद्र कानपुर का दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन केंद्र से होगा सीधा रेल संपर्क

16 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रेल ट्रैक से कानपुर को रेलवे क्रॉसिंग पर दशकों पुरानी यातायात जाम की समस्या से मिलेगी स्थायी राहतः अश्विनी वैष्णव

प्रयागराज। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं सांसद श्री रमेश अवस्थी ने आज नई 'कानपुर एक्सप्रेस' की उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रेलगाड़ी कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के मध्य दोनों दिशाओं में चलेगी। इस अवसर पर कानपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय, अकबरपुर के सांसद श्री देवेंद्र सिंह भोले सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित रहे। यह नई दैनिक रेल सेवा उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के मध्य रेल संपर्क को और सुदृढ़ करेगी तथा कानपुर एवं दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को आवागमन का एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराएगी। 428 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस रेलगाड़ी में 22 आधुनिक एलएचबी कोच होंगे। यह अपने मार्ग में पड़ने वाले कई महत्वपूर्ण नगरों एवं आर्थिक केंद्रों को रेल संपर्क प्रदान करेगी। इस रेल सेवा से फफूंद के यात्रियों को लाभ मिलेगा, जो औरैया के औद्योगिक क्षेत्रों तथा एनटीपीसी औरैया एवं गेल पाता जैसे प्रमुख प्रतिष्ठानों के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, कृषि के प्रमुख केंद्र इटावा तथा कांच उद्योग के लिए प्रसिद्ध फिरोजाबाद क्षेत्र को रेल संपर्क प्रदान करने वाले टूंडला के यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। यह रेलगाड़ी हाथरस को भी जोड़ेगी,



जो हींग प्रसंस्करण, पीतल के बर्तनों एवं कृषि आधारित उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है। इसके साथ ही, ताला उद्योग के प्रमुख केंद्र एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के लिए प्रसिद्ध अलीगढ़ तथा सिरेमिक एवं मिट्टी के बर्तनों के उद्योग के लिए विख्यात खुर्जा को भी बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त, यह रेल सेवा महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स एवं औद्योगिक केंद्र दादरी तथा एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में से एक गाजियाबाद को जोड़ते हुए दिल्ली के प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन केंद्र आनंद विहार टर्मिनल तक पहुंचेगी। इस नई रेल सेवा से उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक, चमड़ा एवं शैक्षणिक केंद्र कानपुर का दिल्ली स्थित आनंद विहार टर्मिनल से सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा। आनंद विहार टर्मिनल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से यात्रियों को जोड़ने वाला एक प्रमुख मल्टीमॉडल परिवहन केंद्र है। इस रेल संपर्क से दोनों महत्वपूर्ण शहरी केंद्रों के बीच आवागमन करने वाले व्यवसायियों, विद्यार्थियों, कामगारों एवं अन्य यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर श्री अश्विनी वैष्णव ने कानपुरवासियों को नई रेल सेवा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस नई रेल सेवा के शुभारंभ पर कानपुर की जनता को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। कानपुर में आगामी रेल अवसंरचना परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि अनवरगंज और मंधना के मध्य 16 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रेल ट्रैक का निर्माण रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम की दशकों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है तथा इसके लिए आवश्यक स्वीकृतियां भी प्राप्त हो चुकी हैं। परियोजना का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की उम्मीद है। प्रस्तावित बुलेट ट्रेन परियोजना के संबंध में रेल मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन का नॉर्थ कॉरिडोर कानपुर के विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली, आगरा, कानपुर, वाराणसी, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ते हुए आगे पटना, सिलीगुड़ी और गुवाहाटी तक विस्तारित होगा। इस परियोजना के प्रारंभ होने पर दिल्ली से कानपुर की यात्रा लगभग 1 घंटा 45 मिनट में पूरी की जा सकेगी। वहीं, लखनऊ से कानपुर की यात्रा में लगभग 27 मिनट तथा कानपुर से प्रयागराज की यात्रा में लगभग 1 घंटा 15 मिनट का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि हाई–स्पीड रेल संपर्क से कानपुर का प्रमुख शहरों के साथ जुड़ाव और मजबूत होगा तथा क्षेत्रीय एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के संबंध में श्री वैष्णव ने कहा कि स्टेशन पर पुनर्विकास का कार्य तेजी से प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि कानपुर में आने वाले समय में रेलवे अवसंरचना के विकास से संबंधित कई अन्य महत्वपूर्ण पहल भी की जाएंगी।

आईएमए मुंबई के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजे गए वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल

तीन दशक की उत्कृष्ट पुलिस सेवा, साहसिक अभियानों और जनसेवा के लिए मिला Distinguished Alumni Award

रिपोर्टः अतुल कुमार जिंदल

''वाराणसी।'' उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ एवं स्वच्छ छवि के अधिकारी तथा वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल को भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) मुंबई ने प्रतिष्ठित 'क्पेजपदहनपैमक ।सनउदप ूंतक' से सम्मानित किया है। जनसेवा, उत्कृष्ट व्यावसायिक दक्षता, कुशल पुलिस नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। मुंबई स्थित संस्थान में आयोजित समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्ड मुंबई पूर्व में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (छप्ज्प्) के नाम से जाना जाता था। मोहित अग्रवाल इसी संस्थान के पूर्व छात्र हैं। वर्ष 1997 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी अग्रवाल को लगभग तीन दशक की पुलिस सेवा में साहसिक नेतृत्व, अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के लिए विशेष पहचान मिली है।

15 जनपदों में संभाली पुलिस की कमान

अपने सेवाकाल में मोहित अग्रवाल उत्तर प्रदेश के 15 जनपदों में पुलिस प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2005–06 में संयुक्त राष्ट्र (न्छ) में भी सेवाएं दीं, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय पुलिसिंग और सुरक्षा व्यवस्था का अनुभव प्राप्त हुआ। वर्ष 2023–24 में उन्होंने उत्तर प्रदेश एटीएस प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए ैप्ै से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कुंभ मेले से लेकर ऑपरेशन मासूम तक दिखाई नेतृत्व क्षमता

प्रयागराज में वर्ष 2013 और 2019 के कुंभ मेले के सफल आयोजन में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। वर्ष 2013 में एसएसपी और वर्ष 2019 में आईजी के रूप में उन्होंने सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली। कानपुर परिक्षेत्र में आईजी रहते हुए उन्होंने फर्रुखाबाद के चर्चित ऑपरेशन मासूम का नेतृत्व किया था। इस अभियान में 23 बच्चों को बंधक बनाने वाले अपराधी को पुलिस ने मार गिराया और सभी बच्चों को सकुशल मुक्त करा लिया। इस साहसिक अभियान के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया गया।

बिकरू कांड और पुलिस आधुनिकीकरण में भी अहम भूमिका

कानपुर के चर्चित विकास दुबे–बिकरू कांड से जुड़े अपराधियों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अलावा उत्तर प्रदेश पुलिस के कम्प्यूटरीकरण, तकनीकी आधुनिकीकरण और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में भी उन्होंने योगदान दिया।

कई राष्ट्रीय सम्मानों से हो चुके हैं अलंकृत

मोहित अग्रवाल को राष्ट्रपति का पुलिस वीरता पदक, राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पुलिस पदक, राष्ट्रपति का सराहनीय सेवा पुलिस पदक और केंद्रीय गृह मंत्री का अति उत्कृष्ट सेवा पदक सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

आईआईएम मुंबई द्वारा दिया गया क्पेजपदहनपैमक ।सनउदप ूंतक उनकी लगभग तीन दशक की समर्पित पुलिस सेवा, प्रशासनिक दक्षता, साहसिक निर्णय क्षमता और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान है। यह उपलब्धि उनके साथ–साथ उनके शिक्षण संस्थान के लिए भी गौरव का विषय बनी है।



गङ्गानाथ झा परिसर में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में आज राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर मुख्यालय नई दिल्ली में हुआ। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन दिनांक 14.11.2026 से 20.11.2026 पर्यन्त किया जा रहा है। आज राष्ट्रीय स्तर पर इस कार्यक्रम के औपचारिक शुभारम्भ में मुख्यअतिथि के रूप में प्रो. राजेन्द्र कुमार अनायत, कुलगुरु, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आचार्य परमार्थदेव जी महाराज सम्मिलित रहे। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताशैक्षणिक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठात्री छात्र कल्याण प्रो. लीना सक्करवाल सहित अन्य आचार्यगणों के साथ देश भर के 13 परिसरों के निदेशक, आचार्य, पुस्तकालयों के अध्यक्षों के साथ सभी कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएँ आभासी माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित रहे। मुख्यअतिथि प्रो. राजेन्द्रकुमारअनायत ने इस अवसर पर स्वयं को मुद्रण तकनीक में विद्यावारिधि करने वाला देश का प्रथम छात्र बताते हुए मुद्रण एवं पुस्तकों के सम्बन्ध का अत्यधिक सारगर्भित वर्णन प्रस्तुत किया। पुस्तकों के पठन पाठन को अपनी दैनिक दिनचर्या में सम्मिलित करने की प्रबल आवश्यकता बताते हुए उन्होंने समस्त उपस्थित जनों से मोबाइल एवं ए.आई. तकनीक पर स्वयं की निर्भरता कम करने की आवश्यकता जताई। उनके अनुसार पुस्तकों का अध्ययन आत्मचिन्तन को प्रेरित करता है जबकि डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध सामग्री की प्रमाणिकता को स्वीकार करने से पहले उसका गहन मूल्यांकन करना अतिआवशयक है। पुस्तकालयों को ज्ञान का मन्दिर बताते हुए उन्होंने इसे ज्ञान का अथाह कोष भी बताया। अपनी मातृभाषा में कम से कम एक पुस्तक का अध्ययन उनके अनुसार व्यक्ति को अपनी भाषा, राष्ट्र, संस्कृति के प्रति अत्यधिक संवेदनशील एवं राष्ट्र के सशक्तिकरण के लिए अत्यन्त लाभदायी होगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आचार्य परमार्थदेव जी महाराज ने अपने वक्तव्य में स्वाध्याय और पुस्तकों का महत्व के महत्व पर प्रकाश आक्षेपित करते हुए प्राचीन ज्ञान को आज के समय में शोध और विवेक के साथ स्वीकार कर जीवन को सुसंस्कृत बनाने का माध्यम बताया। अपने शब्दों ष्आत्मनो मोक्षार्थं जगद् हिताय चष अर्थात् स्वयं के कल्याण से विश्व कल्याण की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उनके अनुसार स्वाध्याय के लिए पुस्तकों से अच्छा कोई साधन नहीं है। नित्य स्वाध्याय और सत्संग से सद्ज्ञान व मानसिक शांति मिलती है तथा विकार नष्ट होते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी



महोदय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के आयोजन के लिए पुस्तकालयाध्यक्षों और उनकी पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र से आकर संस्कृत विश्वविद्यालय का नेतृत्व करने के लिए मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्रकुमार अनायत तथा सात्विक जीवन व ज्ञानोपासना के लिए स्वामी परमार्थदेव जी का आभार व्यक्त किया। उनके अनुसार शब्द, ध्वनि और श्अक्षरश द्वारा उन्होंने ज्ञान को व्यक्त करने के लिए शब्द को आवश्यक बताया। ध्वनि आकाश में नष्ट (श्क्षरश) हो जाती है, इसलिए ध्वनि को लिपि में बाँधकर श्अक्षरश (जो कभी नष्ट न हो) बनाया गया। भारतीय स्मृति परंपरा की श्रेष्ठता बताते हुए उन्होंने आज के कंप्यूटर युग में भी तकनीक बदलने पर पुराने डेटा का कुछ नुकसान हो जाता है, लेकिन भारत की प्राचीन मौखिक और स्मृति परंपरा ऐसी अद्भुत श्मानव तकनीकश थी, जिसने हजारों–लाखों वर्षों तक वेदों और ग्रंथों को बिना किसी त्रुटि के अक्षुण्ण बनाए रखा। ।ष् युग में भविष्य की शिक्षा और भौतिक ग्रंथालय की अनिवार्यता बताते हुए उन्होंने अपने वक्तव्य जब ।ष् से शोध और लेखन संभव हो रहा है, तो छात्रों के वास्तविक मूल्यांकन के लिए शिक्षा जगत को फिर से प्राचीन मौखिक परीक्षा (वाक–परीक्षा/टपअं) की ओर लौटना अपरिहार्य बताया। उनके अनुसार किसी देश की सैन्य, राजनीतिक या आर्थिक व्यवस्था को तोड़ने पर वह देश फिर खड़ा हो सकता है, लेकिन यदि किसी देश के ग्रंथालयों और ज्ञान–व्यवस्था को नष्ट कर दिया जाए, तो उसकी संस्कृति और इतिहास सदा के लिए समाप्त हो जाते हैं।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने वर्तमान समय में ए.आई. को भारतीय संस्कृति के समक्ष उभरती हुई चुनौती बताया। पुस्तक अध्ययन को उन्होंने दैनिक चर्या का अपरिहार्य अंग बनाने को प्रेरित किया। उनके अनुसार पुस्तकों का अध्ययन बौद्धिक समझ को सशक्त करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। अपने वक्तव्य में उन्होंने डिजिटल सामग्री का सावधानीपूर्वक अध्ययन करते हुए उसकी प्रमाणिकता का आंकलन करना अपरिहार्य बताया। गंगानाथ झा परिसर पुस्तकालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने पुस्तकालयों को मानव संस्कृति का आधार बताया। उनके अनुसार पुस्तकें उस सच्चे मित्र की भाँति होती हैं जो सदैव अपने मित्र को लाभान्वित ही करती हैं। परिसरीय पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, ग्रन्थों एवं पाण्डुलिपियों को उन्होंने संस्कृत जगत की अमूल्य धरोहर बताते हुए समस्त उपस्थित जनों से लाभान्वित होने की कामना की। उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रामरूप ने विद्वता का मापदण्ड केवल प्रमाणपत्रों को न मानकर अध्ययन की गई पुस्तकों की संख्या को विद्वता का परिचायक बताया। उनके अनुसार पुस्तकों का अध्ययन विद्वता में वृद्धि करने का सहज एवं सुलभ माध्यम है। मुख्यालय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रीति शुक्ला ने किया। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेशकान्त तिवारी ने बताया कि दिनांक 20.11.2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह में पुस्तक प्रदर्शनी, पुस्तक समीक्षा/चर्चा/वार्ता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर/लेखन प्रतियोगिता, बुक कवर डिजाइन प्रतियोगिता, सर्वश्रेष्ठ पाठक पुरस्कार समेत अनेकों गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. मोनाली दास, डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, डॉ. रामरूप, राजेशकान्त तिवारी, संजय कुमार मिश्र, अंजू, मंजू समेत समस्त परिसरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सौदागर दिन–रात

(छप्पय)

हँसी–ठिठोली बेच खुशी का सौदा करता।
बाँट रहा मुस्कान मौन अधरों पर धरता।
सौदागर की नीति सुहानी सबको लगती।
धीरे–धीरे ख्वाब सभी का जो है हरती।
मीठे मीठे बोल हैं भीतर भरा कपास है।
दुनिया सारी बिक रही अद्भुत यह विश्वास है।।

दिखा खुशी का ख्वाब उसी का सौदा करते।
सौदागर दिन–रात मात्र बस झोली भरते।
कह कर हर पल साथ निभायेंगे जीवन भर,
मतलब सारा साध यही बन जाते पत्थर।
सच केवल बस है यही जिससे इनका मेल है।
समझ न पाए वे कभी उनका ही यह खेल है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दो चार कदम चल के कसम टूट न जाये...

प्रयागराज। बौद्धिक विचार मंच ऊंचाहार प्रयाग शाखा की ओर से निकट ब्लड बैंक अल्लापुर स्थित कवि डॉ. पीयूष के आवास पर एक सरस कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ। रायबरेली से पधारे वरिष्ठ कवि देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने गोष्ठी की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि के रूप में गजलकार श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी



मौजूद रहे। शिवराम उपाध्याय मतवाला की सरस्वती वन्दना से गोष्ठी की शुरुआत हुई। कवयित्री रिंकी मिश्रा ने थामा जो हाथ तुमने कहीं छूट न जाये, दो चार कदम चल के कसम टूट न जाये, सुनाकर गोष्ठी का आगाज किया। शान्त जौनपुरी ने सुनाया एक तमन्ना रही जमाने से, घर वो आयें किसी बहाने से। रागिनी त्रिपाठी ने पढ़ा है शौर्य जहां पर जन्म लिया वह झांसी वाली रानी हूं। डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने होठों पर मुस्कान है जितना उतना दिल में छाले हैं, अनुभव की मोती से हमनें कितने रत्न निकाले हैं, काव्यपंक्तियां सुनकर लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। केपी गिरी ने सुनाया मैया तोर कान्हा धरत मोर अंचरा। महक जौनपुरी ने सुनाया बेसबब मुझको सताने वो लगे,आंसुओं पर मुस्कुराने वो लगे। मुख्य अतिथि तलब जौनपुरी की पंक्तियां मैं उसे जब कहीं दूर भगा आता हूं, मेरा गम लौट मेरे दर पे ठहर जाता है, मंच को सार्थक किया। रायबरेली से पधारे वरिष्ठ कवि देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने अध्यक्षीय काव्यपाठ करते हुए एक मिट्टी से कितने घड़े बन गये, एक सोने से कितने कड़े बन गये, काव्यपंक्तियां सुनाकर गोष्ठी को ऊंचाई प्रदान की। संस्था महासचिव डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने गोष्ठी का सफल संचालन किया। युवाकवि अमित शर्मा, परिमल, शिवानी, प्रभावती ने भी काव्यपाठ कर वाहवाही लूटी। रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के प्राध्यापक योगी डॉ. मुकेश द्विवेदी ने व्यावहारिक योग के जरिये लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर गुड़िया, उत्पल, मयंक, नैना, अमिताभ, दिनेश पाण्डेय, चिण्टू, नमन, काव्या, सागर, अंकिता, हरिओम इत्यादि सुधीजन उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानियों पर पोर्ट्रेट प्रतियोगिता
खानम आर्ट गैलरी में हुई आयोजित
अंकिता कुमारी, अंजली यादव को स्पेशल, जकरिया प्रथम, उमर द्वितीय चमन यादव, प्रांजल और मुस्तफा को मिला तृतीय पुरस्कार

प्रयागराज। स्वतंत्रता सेनानी विषयक पोर्ट्रेट प्रतियोगिता एवं लाइव डेमोंस्ट्रेशन खानम आर्ट गैलरी में आयोजित किया गया। 15 से 45 वर्ष के छात्र–छात्रा और कलाकारों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुम्बई से आयीं जुबैदा वेलफेयर सेंटर की अध्यक्ष डेज़ी ज़ैदी, गैलरी डारेक्टर जाहेदा ख़ानम एवं तलत महमूद ने बच्चों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर मुख्य



अतिथि डेज़ी ज़ैदी को उनके समाजिक कार्यों के लिए सम्मानित भी सम्मानित किया गया। इनाम जीतने वालों में अंकिता कुमारी एवं अंजली यादव को उनके काम को देखते हुए स्पेशल प्राइज दिया गया। जबकि प्रथम पुरस्कार जकरिया नसीम, द्वितीय पुरस्कार मो. उमर, तृतीय पुरस्कार चमन यादव, प्रांजल और मुस्तफा को दिए गए। सांत्वना पुरस्कार सबा और नीरज बिन्द मिला। इसके अलावा सभी प्रतियोगियों को सर्टिफिकेट किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में रवीन्द्र कुशवाहा सदस्य, राज्य ललित कला अकादमी एवं एमीनेंट आर्टिस्ट तलत महमूद मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेजघ डा जाहेदा ख़ानम रहे। वहीं आर्टिस्ट शुभम कुशवाहा ने डेमोंसट्रेशन दे खूब वाहवाही लूटी। जिसकी लोगों ने जमकर तारीफ किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्ति, कलाकार और कला प्रेमी उपस्थित रहे। जिनमें लक्ष्मी नारायण, कलाकार ज़फ़र, पोर्ट्रेट आर्टिस्ट शुभम सहित अनेक कलाकार शामिल थे। सभी लोगों ने खानम आर्ट गैलरी के इस प्रयास की सराहना की।

महर्षि भारद्वाज जयंती समारोह एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी में धन्वंतरि सम्मान प्राप्त करते सम्मानित अतिथि

विश्व आयुर्वेद परिषद के आयोजन में डा. रंजना त्रिपाठी, डॉ. विनोद गौड़ सहित मदद फाउंडेशन के तीन पदाधिकारियों को मिला धन्वंतरि सम्मान





प्रयागराज। विश्व आयुर्वेद परिषद उत्तर प्रदेश, प्रयागराज की ओर से होटल आनंद कांटिनेंटल में नागार्जुन फार्मास्यूटिकल्स के सहयोग से महर्षि भारद्वाज जयंती समारोह एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह में महर्षि भारद्वाज की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित वैज्ञानिक संगोष्ठी में अनेक विद्वान आयुर्वेद विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व आयुर्वेद परिषद उत्तर प्रदेश के सचिव डॉ. एसएस उपाध्याय ने की।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पीएस पांडेय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विजय राय, हंडिया आयुर्वेदिक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएन उपाध्याय एवं डीओ डॉ. नवीन सोनी शामिल रहे। कार्यक्रम के सहयोगी नागार्जुन फार्मास्यूटिकल्स आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण एवं प्रसार के क्षेत्र में कार्यरत है। कंपनी पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक के समन्वय से विभिन्न प्रकार की आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण करती है। इसके उत्पादों में चूर्ण, वटी, गुग्गुलु, घृत, अवलेह, भस्म एवं अन्य आयुर्वेदिक औषधीय वितउनसंजपवदे शामिल हैं। कंपनी की ओर से औषधियों के निर्माण में शुद्धता, गुणवत्ता और सुरक्षित भंडारण की प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने की बात कही गई है। आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति और पारंपरिक औषधीय ज्ञान को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में कंपनी का प्रयास उल्लेखनीय है।समारोह के दौरान सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मदद फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी, सह–संस्थापिका अमृता तिवारी एवं संस्था के प्रयागराज जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय, डॉ. रंजना त्रिपाठी एवं डॉ. विनोद गौड़ को धन्वंतरि सम्मान से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि मदद फाउंडेशन की ओर से प्रत्येक रविवार रविवार की रसोई के तहत फुटपाथ पर जीवन यापन करने वाले निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस अभियान के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक लोगों तक निःशुल्क भोजन पहुंचाया जा चुका है। संस्था का उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न सोए। वैज्ञानिक संगोष्ठी में आयुर्वेद विशेषज्ञों ने शरद ऋतु जन्य व्याधियों के निदान एवं उपचार पर अपने विचार रखे। इस दौरान मौसमी बीमारियों से बचाव और उनके उपचार में आयुर्वेद की उपयोगिता पर भी चर्चा हुई। सभा का संचालन डॉ. एमडी दुबे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रयागराज अध्यक्ष डॉ. एससी दुबे ने किया। कार्यक्रम का आयोजन नीरज तिवारी, रीजनल सेल्स मैनेजर के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज शहर के वरिष्ठ चिकित्सक, आयुर्वेद विशेषज्ञ एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध साहित्यकार एवं समालोचक डॉ. विमल पंचतत्त्व में विलीन

कानपुर। काव्यालोचना के क्षेत्र के ख्यात प्रतिनिधि एवं प्रख्यात साहित्यकार–समालोचक डॉ. विमल (85) का 15 नवंबर 2026 की रात्रि निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 16 नवंबर को अपराह्न एक बजे कानपुर के भैरों घाट पर किया गया। इस अवसर पर साहित्य, कला एवं शिक्षा जगत से जुड़े अनेक विशिष्ट लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी साहित्यिक एवं शैक्षणिक सेवाओं का स्मरण किया।



एक जनवरी 1941 को मिथिलांचल के मधुबनी जनपद (बिहार) के सुदै–रतौली गाँव में जन्मे डॉ. विमल वर्तमान में 107, एम.आई.जी., भाग–2, गंगागंज कॉलोनी, पनकी, कानपुर में निवास कर रहे थे। उन्होंने दर्शनशास्त्र एवं हिंदी साहित्य का गहन अनुशीलन करते हुए पी–एच.डी. और डी.लिट्. जैसी उच्च उपाधियाँ अर्जित कीं। कोल्विन तालुकेदार्स कॉलेज, जोधपुर विश्वविद्यालय तथा वर्धमान विश्वविद्यालय में व्याख्याता से लेकर प्रोफेसर तक की अपनी दीर्घ शैक्षणिक यात्रा में उन्होंने ज्ञान, विवेक और वैचारिक समृद्धि की विशिष्ट परंपरा को प्रतिष्ठित किया।

वे वर्धमान विश्वविद्यालय, वर्धमान (पश्चिम बंगाल) के हिंदी विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष रहे। मध्यकालीन काव्य, साहित्येतिहास, रचनात्मकता तथा सामाजिक चेतना के अंतर्संबंधों पर उनका अध्ययन और चिंतन हिंदी आलोचना की महत्वपूर्ण बौद्धिक विरासत है। उनकी पुस्तकें शचिंता–सहचिंताश तथा श्साहित्य चिंता रू विविध रंगश उनके आलोचनात्मक विवेक, साहित्यिक दृष्टि और गंभीर चिंतन की परिचायक हैं। डॉ. विमल डॉ. नामवर सिंह की पीढ़ी के महत्वपूर्ण आलोचकों में गिने जाते थे। जोधपुर एवं वर्धमान विश्वविद्यालयों में अध्यापन के दौरान उन्होंने अनेक हिंदी लेखकों, साहित्यकारों और शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उनका अध्यापन, आलोचना–कर्म और वैचारिक अवदान हिंदी साहित्य की अमूल्य धरोहर के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा।

साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्था श्काव्यायनश के संरक्षक डॉ. विमल अपने पीछे बेटी श्रीमती कामिनी सिंह, बेटे निर्मल चंद्र सिंह सहित भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे पिछले लगभग दो वर्षों से अस्वस्थ चल रहे थे। नवगीतकार जयराम जय ने बताया डॉ. विमल से मेरा आत्मीय साहित्यिक संबंध रहा। मेरी गीत–नवगीत कृति श्ज़िंदगी गीत हैश की भूमिका उन्होंने बड़े मनोयोग और आत्मीयता के साथ लिखी थी। कुछ दिन पूर्व जब मैंने उन्हें अपनी यह कृति भेंट की, तो अस्वस्थता के बावजूद उसे पाकर वे अत्यंत प्रसन्न हुए थे। उनका वह स्नेहिल भाव, आत्मीयता और साहित्यिक सद्भाव मेरी स्मृतियों में सदैव सुरक्षित रहेंगे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं सद्गति प्रदान करे तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दे।

विश्वनाथ में उदय भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया व्रतियों ने

चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा धूमधाम से संपन्न किया

व्रतियों ने एक दूसरे व्रतियों को माथे पर सौभाग्य सिंदूर लगाकर अपना पारण किया

विश्वनाथ, असम। राज्य के अन्य हिस्सों की तरह विश्वनाथ जिले में प्रकृति ,सूर्योपासना व आस्था का महापर्व छठ पूजा का 36 घंटा निर्जला व्रत का आज प्रातः कालीन भास्कर को अर्घ्य के साथ चार दिवसीय छठ पूजा संपन्न हुआ। साथ ही अर्घ्य अर्पित के बाद व्रतियों ने पारण किया। प्रातः तीन बजे से ही व्रतधारी घाट पहुँच कर छठ मइया की उपासना एवं उदय भास्कर को अर्घ्य देने के लिए पूजा अर्चना की। छठ घाट में व्रतियों ने कोसी भरने की परंपरा की छटा बिखेरी। विश्वनाथ चारिआलि के आमबाड़ी



में स्थित केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति, पश्चिम छठ घाट पूजा समिति, विश्वनाथ घाट छट पूजा समिति आदि के पंडाल में श्रद्धालुओं का तॉता लगा रहा है। इस घाट में प्रायः तीन सौ से अधिक व्रतधारी ने छठ पूजा करके उगते हुए आदित्य को विभिन्न ऋतु फलों, ठेकुआ, मिष्ठान से सजे सूप व टोकरी से अर्घ्य देकर भास्कर को दूध अर्पित किया। इसके बाद व्रतधारी महिला ने एक दूसरे व्रतधारी महिला के मस्तक पर सौभाग्य सिंदूर लगाकर छठी मइया से खुशहाली की कामना की। इस घाट में व्रतधारी के होठों से पारंपरिक मधुर छठ मईया को गुनगुनाते हुए देखा गया। इधर सनातन धर्म का सबसे बड़ा कठिन छठ महापर्व में विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी में स्थित केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति ने व्रतधारियों के लिए छठ मइया पूजन का भव्य आयोजन भी किया जिसमें छट घाट की सजावट सभी को आर्कषित कर रही थी। उल्लेखनीय है कि विश्वनाथ घाट के छठ पूजा समिति में स्वयं जिला आयुक्त करबी शइकीया करन प्रातःकाल पहुंचकर छट बेदी के समक्ष पूजा – अर्चना की। भगवान भास्कर से विश्वनाथ वासी की खुशहाली की कामना की। इधर कल केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के आयोजित सभा में अतिथि के रूप में विश्वनाथ विधायक पल्लवलोचन दास, विश्वनाथ आयुक्त करबी शइकीया करन और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिन्हें असमीया फूलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक तथा सलाहकार सूर्य नारायण पाण्डेय ने की। व्रतधारी ने भगवान भास्कर तथा छठी मइया से सभी के जीवन में ऊर्जा, समृद्धि और आनंद का प्रकाश की कामना की। इस मौके पर केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के अध्यक्ष बलवीर राय, सचिव नीरज सिंह, कोषाध्यक्ष क्रमशः विकास रौनियार, संदीप जयसवाल, समाजसेवक गेशर प्रसाद गुप्ता,राजु प्रसाद, नागेश कुमार गुप्ता, शिक्षक सत्यप्रकाश गुप्ता, संतोष कुमार महतो, इंद्रजीत गुप्ता, अजय कुमार प्रसाद, सुरेंद्र कुमार सहनी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। विश्वनाथ के पश्चिम छठ घाट फलफली में असंख्य व्रतधारी ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर देश के मंगलमय की कामना की।

उत्तर मध्य रेलवे

सं.: CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2024 दिनांक : 16.11.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर खुदरा/क्षेत्रीय स्टॉल और खानपान स्टॉल अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

कैटरिंग

SN. 1. Details of publicity : विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए मल्टी-पर्पस यूनिट्स: फतेहपुर (01 स्थान)
E-Auction catalogue No.: PRYJ-MPS-26-17
E-Auction Start Date & Time : 20.11.2026 at 11.00 hrs

SN. 2. Details of publicity : विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 02 वर्षों की अवधि के लिए इनोवेटिव कैटरिंग स्टॉल: अलीगढ़ (01 स्थान), कानपुर सेंट्रल (02 स्थान), प्रयागराज (02 स्थान), प्रयागराज छिवकी (02 स्थान)
E-Auction catalogue No.: MSS-INNO-PRYJ-3
E-Auction Start Date & Time : 25.11.2026 at 11.00 hrs

SN. 3. Details of publicity : अलीगढ़ (01 स्थान) रेलवे स्टेशन पर 05 वर्षों की अवधि के लिए प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट
E-Auction catalogue No.: PRYJ-PBCO-26-2
E-Auction Start Date & Time : 27.11.2026 at 11.00 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1. बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण www.cca.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। 2. बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। 3. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु. 10,000.00 और लागू जीएसटी (वैट-सेवा योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। 4. इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp पर जाने की सलाह दी जाती है। 5. अनिवार्य मनी डिपॉजिट (ईएमडी): नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10%, सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। 6. रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। 7. रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद इस एल आर / डी पी को पढ़े पर देने से संबंधित है। 8. सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा लगाई जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदायी नहीं होगा। 2597126 (Pre)

North central railways | @CPRONCR | www.ncrindianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

आशा है पंजाब का चुनाव एक परिवर्तनकारी नेतृत्व प्रदान करेगा

पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा, इसके बाद कांग्रेस की संगरूर रैली और अकाली दल–भाजपा गठबंधन की संभावना ने राज्य में बहुकोणीय चुनावी मुकाबले की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है। पंजाब के ग्रामीण सिख युवाओं के धार्मिक उत्साह से पोषित एक नवोदित राजनीतिक दल 'वारिस पंजाब दे' के भी चुनावी मैदान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की व्यापक संभावना व्यक्त की जा रही है। हालांकि, चुनाव का समग्र परिदृश्य चिंताजनक है। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के बीच तीखी प्रतिद्वंद्विता ने राजनीतिक वातावरण को दूषित कर दिया है। राज्य की प्रगतिशील नीतियों पर सूचित और सार्थक बहस का स्थान कटु व्यक्तिगत आरोपों ने ले लिया है। कृषि अर्थव्यवस्था के विविधीकरण, नशे की लत, औद्योगिक ठहराव, बेरोजगारी, पर्यावरण के क्षरण, भूजल में कैंसरकारी तत्वों की मौजूदगी, स्वास्थ्य और शिक्षा के गिरते स्तर, व्यापक भ्रष्टाचार, राजनीतिक ड्क्षहसा, गैंगस्टरवाद तथा राज्य की सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर और ज्वलंत मुद्दे एक ऐसे राज्य की कहानी बयान करते हैं, जो निरंतर पतन की ओर अग्रसर है। स्पष्ट है कि पंजाब का नेतृत्व करने के इच्छुक लोगों को राज्य के लंबे समय से लंबित पुनरुत्थान के लिए एक ईमानदार और व्यावहारिक कार्ययोजना प्रस्तुत करनी होगी। यह कार्ययोजना मुफ्त सुविधाओं के ऐसे अस्थिर वादों से आगे बढनी चाहिए, जिनकी कीमत राज्य को निरंतर बढ़ते कर्ज और जनता को एक दिवालिया राज्य की उदारता पर स्थायी निर्भरता के रूप में चुकानी पड़ती है। विकट चुनौतियों के सामने राजनीतिक नेतृत्व की असली कसौटी यह होगी कि क्या वह संकीर्ण और कटु दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनहित और सांझा उद्देश्यों पर आधारित राजनीति की एक उदात्त दृष्टि को अपनाने के लिए तैयार है? इसी प्रकार, राजनीतिक दलों का यह दायित्व है कि वे चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को उतारें, जिनका हृदय उदार हो, जिनकी दृष्टि व्यापक हो और जिनकी राजनीति जनसेवा के पवित्र सिद्धांतों पर आधारित हो। सभी दलों के नेताओं द्वारा बार–बार दिए जाने वाले इस वक्तव्य का कि केवल जीतने वाले उम्मीदवारों को ही पार्टी का टिकट दिया जाएगा, यही अर्थ होना चाहिए कि उम्मीदवार वही बनें, जो निरूस्वार्थ सेवा और जनता के साथ अपने व्यवहार में विनम्रता के प्रति प्रतिबद्ध हों। इसके साथ ही मतदाताओं पर भी एक समान दायित्व है कि वे ऐसे उम्मीदवारों को चुनें, जिनका सार्वजनिक जीवन और राजनीतिक आचरण निष्कलंक रहा हो, न कि उन्हें जिनकी नेतृत्व की दावेदारी मुख्यतरू अवैध रूप से अर्जित धन और अपराधियों के संरक्षण में पलने वाली बाहुबल की ताकत पर टिकी हो। पंजाब को ऐसी राजनीति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए, जो पूजनीय गुरुओं की शिक्षाओं में निहित हो और जो दमनकारी सत्ता के विरुद्ध सत्य, न्याय तथा निर्बलों की रक्षा के लिए शक्ति के उपयोग की वकालत करती हो। जहां 'आप' एक सत्तारूढ़ दल के रूप में अपनी राजनीतिक सत्ता बचाने के संघर्ष में अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए सत्ता के सभी साधनों का उपयोग करेगी, वहीं स्वयं को उसका प्रमुख प्रतिद्वंद्वी मानने वाली कांग्रेस के सामने एक स्पष्ट और बड़ी जिम्मेदारी है। उससे अन्य दलों की तुलना में अधिक अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी राजनीतिक भाषा में संयम बरते और ऐसी उदार राजनीतिक दृष्टि प्रस्तुत करे, जिसमें विरोधी की गरिमा का भी सम्मान हो। उसे पंजाब के पुनरुत्थान के लिए स्पष्ट रूप से ईमानदार नीतिगत प्रस्तावों पर आधारित समावेशी राजनीति का वादा करना चाहिए और उसे व्यवहार में भी उतारना चाहिए। उसे ऐसे नए नेतृत्व को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिसकी व्यक्तिगत और बौद्धिक ईमानदारी को राज्य की सेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की कसौटी पर परखा जा सके। यह चुनाव केवल राजनीतिक सत्ता को बनाए रखने या उसे हासिल करने का चुनाव नहीं हो सकता। इसे जनता के उस विश्वास की पुष्टि करनी चाहिए, जो उसने अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों की जनसेवा की सर्वोत्तम परंपराओं के अनुरूप कार्य करने की क्षमता में जताया है। अंततरू राज्य का भविष्य मतदाताओं के विवेकपूर्ण निर्णय और लंबे समय से बेहतर दिनों की धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रही जनता द्वारा अपनी जायज अपेक्षाओं को सामूहिक रूप से और पूरी दृढ़ता के साथ अभिव्यक्त करने पर निर्भर करता है। ऐसे समय में शकील बदायूंनी का यह शे'र अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है– साहिल की तरफ कश्ती ले चल, तूफान के थपेड़े सहना क्या। तू आप ही अपना माझी बन, मौजों के सहारे बहना क्या।

सुकून भीतर है, उसे बस बाहर लाना है

डॉ. दीपक पाचपोर

खुशी क्षितिज बन जाती है, ठिकाना नहीं। हम जितना बढ़ें, वह उतना हटती जाती है। तो शायद अब एक असहज सवाल का वक्त है, क्या हम गलत जगह तलाश करते रहे? वह पल याद कीजिए जब मनचाही चीज आखिर मिली थी।

संगीता मित्तल

हर इंसान, हर उम्र और हर हाल में एक ही चीज खोज रहा है और वह है खुशी। बच्चा उसे खिलौनों में ढूंढता है, नौजवान उपलब्धियों में। बड़ा कामयाबी और रिश्तों में, बुजुर्ग शायद सुकून और किसी के साथ में। 'यह हासिल कर लूं, तब खुश होऊंगा।' 'बच्चे सैटल हो जाएं, तब जाकर चौन मिलेगा।' 'जिम्मेदारियां निपटें, तब जिंदगी का मजा लूंगा।' खुशी क्षितिज बन जाती है, ठिकाना नहीं। हम जितना बढ़ें, वह उतना हटती जाती है। तो शायद अब एक असहज सवाल का वक्त है, क्या हम गलत जगह तलाश करते रहे? वह पल याद कीजिए जब मनचाही चीज आखिर मिली थी। कुछ देर आप पूरे थे। मन खामोश था, चिंताएं घुल गई थीं और खुशी बिना कोशिश उमड़ रही थी। फिर धीरे–धीरे चमक फीकी पड़ी, नई ख्वाहिशें आईं और उनके लिए फिर से शिकार शुरू। क्या खुशी सचमुच उस उपलब्धि में थी? या ख्वाहिश पूरी होने से बेचौन मन बस इतनी देर चुप हुआ कि हम पहले से मौजूद खुशी चख सके? तैत्तिरीय उपनिषद आनंद को अस्तित्व के गहरे स्वभाव की बुनियाद बताता है। स्थायी तृप्ति बाहर से पाने की नहीं, भीतर पहचानने का विषय है। बाहरी अनुभव सुख और सच्ची खुशी देते हैं। पर जब खुशी पूरी तरह बदलते हालात पर टिकी हो, तो चौन भी उन्हीं जितना अनिश्चित हो जाता है। एक सुंदर वेदांती दृष्टांत है कि एक औरत बदहवास होकर अपना हार ढूंढ रही थी। उसने हर कमरा छाना, हर अलमारी खोली और आसपास



सबसे पूछताछ की। आखिर एक सहेली ने मुस्कुराकर कहा, ''हर जगह क्या ढूंढ रही हो? हार तो तुम्हारे गले में ही है।'' औरत ने गले को छुआ और समझ गई। उसे कुछ नया नहीं दिया गया था। उसने बस वही पहचाना जो पहले से मौजूद था। शायद स्थायी खुशी की तलाश भी ऐसी ही है, जो चौन ढूंढ रहे हैं, वह शायद भीतर ही है। जब जिंदगी बनी गुरु रू यह सबक मुझे किताब से नहीं, खोने से मिला। हाल ही में मैंने किसी बेहद अपने को खोया और शास्त्र जिस समझ की ओर बस इशारा करते थे, वह ऐसी गहराई से उतरी, जो कोई उपदेश नहीं दे सकता। अस्पताल के गलियारों में बिताए उन लंबे घंटों में, जहां हर चेहरे पर अनिश्चितता थी, हवा में उम्मीद और दुआ टंगी थी और जिंदगी की नाजुकता से आंख चुराना नामुमकिन था, मुझे जिंदगी के सबसे गहरे सबकों में से एक मिला कि जिंदगी टालने की चीज नहीं, हर दिन जिंदादिली से जीने का विषय है। मैंने जाना, होश में जिया हर पल तोहफा है। हर बातचीत, हर सांझी खामोशी, हर सांस और प्यार करने का हर मौका अनमोल है। एक जानी–पहचानी आवाज। खामोशी में थामा हुआ हाथ। परिवार के साथ बांटा खाना। ये छोटी बातें नहीं, यही जिंदगी है। दुख भी कोमलता और मौजूदगी का हकदार है। उन गलियारों से जो सीख मेरे साथ लौटी, वह सीधी–सादी थी–अपनी खुशी को मत टालो। अपने प्यार को मत टालो। जीना मत टालो। मन साधिए, आनंद पाइए– मन अद्भुत साधन है और भारी रुकावट भी। एक कड़वी बातचीत खूबसूरत दिन को स्याह कर सकती है। कल की एक फिक्र आज का चौन चुरा सकती है। इसका मतलब विचारों को दबाना या भावनाओं से इंकार करना नहीं। मतलब है उन्हें देखने की वह जागरूकता पाना, जिससे वे हम पर हावी न हों। 'मैं बेचौन हूं' कहने और यह पहचानने में जमीन–आसमान का फर्क है कि 'मेरे मन में बेचौनी उठ रही है और मुझे इसका होश है।' इसी छोटे बदलाव से भीतरी आजादी शुरू होती है। विचार बदलते हैं। भावनाएं बदलती हैं। हालात बदलते हैं। पर जागरूकता इन सबसे साफ नजर और संतुलन से मिलने देती है। दिन आगे बढ़ाने से पहले ठहरिए। आराम से बैठिए। आंखें हल्के से बंद कीजिए। सहज सांस को महसूस कीजिए। न कुछ पाना है, न कुछ सुधारना, न कहीं पहुंचना है। विचारों को खुले आसमान में बादलों की तरह आने–जाने दीजिए। चंद पलों के लिए खुशी की तलाश छोड़ दीजिए। बस मौजूद रहिए। हो सकता है आप पाएं कि चौन को हमेशा गढना नहीं पड़ता। कभी–कभी उसे बस बाहर लाना होता है। खुशहाल जीवन मुश्किलों, निराशाओं या दुखों से आजाद जिंदगी नहीं। इसका मतलब है जिंदगी के बदलते रहने पर भी भीतर से जुड़े रहना। इसका मतलब है कामयाबी का लुत्फ लेना, पर उस पर निर्भर न होना। गहराई से प्यार करना पर खुद को न खोना। अनिश्चितता को अपनाना पर संतुलन न गंवाना। आध्यात्मिक ज्ञान जिंदगी से कटने को नहीं कहता, जागरूक होकर उसमें हिस्सा लेने को कहता है। खुशहाल जीवन की कला सिर्फ खुश होना सीखना नहीं, यह भीतर पहले से मौजूद शांत आनंद को पहचानना और मिले हुए पलों में और ज्यादा जागरूकता, प्यार और मौजूदगी लाना है। वर्तमान पल जिंदगी का प्रतीक्षालय नहीं, वही जिंदगी है।

(लेखिका स्प्रिचुअल–लाइफस्टाइल मैंटर एवं 'अमृतम–संजीवनी शरणम' की संस्थापक हैं)

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी

प्रह्लाद सबनानी

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है। वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को "बीमारु" राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी। वर्ष 2000–01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034–24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है। वर्ष 2024–25 के प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके। उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को "बीमारु" राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है। हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं। हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े। आज, उक्त चारों राज्य "बीमारु" राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए।

पत्रकारिता का धर्मसंकट! सत्ता, संविधान, पूँजी, एआई और अंतिम जन के बीच खड़ा भारतीय पत्रकार

पत्रकार की कलम बिक जाए तो खबर विज्ञापन बन जाती है, डर जाए तो लोकतंत्र की आवाज दब जाती है और भटक जाए तो समाज सत्य के स्थान पर भ्रम को सच मानने लगता है।

भारत में पत्रकार होना केवल समाचार लिखना नहीं, बल्कि प्रतिदिन सत्ता, समाज, बाजार, परिवार और अपनी अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है। पत्रकारिता का वास्तविक धर्म किसी कुर्सी या विचारधारा की रक्षा नहीं, बल्कि जनता के जानने के अधिकार की रक्षा है।

''संविधान और स्वतंत्रता का प्रश्न''

संविधान के अनुच्छेद 19(1)() में प्रेस की स्वतंत्रता का अलग उल्लेख नहीं है। यह नागरिक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में निहित है। अनुच्छेद 19(2) इसके युक्तियुक्त प्रतिबंध भी निर्धारित करता है। पत्रकार स्वतंत्र है, लेकिन कानून और संवैधानिक मर्यादाओं से परे नहीं।

भारत में 31 दिसंबर 2025 तक 1,60,315 पत्र–पत्रिकाएँ पंजीकृत थीं। लेकिन पंजीकरण को सक्रिय प्रकाशनों अथवा कार्यरत पत्रकारों की संख्या मानना गलत होगा। प्रेस काउंसिल पत्रकारिता के मानकों की रक्षा करती है, लेकिन नौकरी, वेतन, पेंशन और व्यक्तिगत सुरक्षा की गारंटी नहीं देती।

''सरकार और पत्रकार रू सहयोग या दबाव?''

सरकार को अपनी योजनाएँ जनता तक पहुँचानी हैं और पत्रकार को सरकार की उपलब्धियों के साथ उसकी कमियों को भी सामने रखना है। समस्या तब पैदा होती है जब सरकारी विज्ञापन संपादकीय स्वतंत्रता को प्रभावित करने लगते हैं और प्रशासनिक निकटता सूचना प्राप्त करने का माध्यम बन जाती है।

जिला पत्रकार जिन अधिकारियों से प्रतिदिन मिलता है, कभी उन्हीं के विरुद्ध जनहित में खबर लिखता है। यही उसकी निष्पक्षता और साहस की परीक्षा है।

''बाहुबल और अर्थबल रू पत्रकार की दोहरी चुनौती''

खनन, भूमि कब्जे, भ्रष्टाचार, भर्ती अनियमितता और स्थानीय सत्ता के गठजोड़ पर खबर लिखना कई बार जोखिमपूर्ण होता है। पत्रकारों पर हमलों की समस्या वास्तविक है, लेकिन अप्रमाणित आँकड़े और दोषसिद्धि प्रतिशत प्रस्तुत करना उचित नहीं। पत्रकार की सुरक्षा केवल व्यक्तिगत नहीं, लोकतांत्रिक आवश्यकता है।

दूसरी ओर, ग्रामीण संवाददाता और छोटे संस्थानों के पत्रकार अनियमित पारिश्रमिक, यात्रा खर्च और रोजगार की असुरक्षा से जूझते हैं। दूसरों की गरीबी लिखने वाला पत्रकार अपनी आर्थिक परेशानियों से भी मुक्त नहीं है। उसे सम्मान के साथ उचित पारिश्रमिक और सामाजिक सुरक्षा चाहिए।

''पाठक और कृत्रिम बुद्धि रू नई चुनौतियाँ''

आज पाठक के सामने समाचार, मनोरंजन, अफवाह और विज्ञापन एक साथ उपस्थित हैं। सनसनीखेज शीर्षक सत्य से अधिक आकर्षक बनते जा रहे हैं। पत्रकार का दायित्व केवल पाठक को बाँधना नहीं, उसे प्रमाणित जानकारी देना है। पाठक की जिम्मेदारी भी अपुष्ट सूचनाओं को आगे न फैलाना है।

कृत्रिम बुद्धि समाचार लिख सकती है, अनुवाद कर सकती है और दस्तावेजों का विश्लेषण कर सकती है। लेकिन गलत सूचना भी तैयार कर सकती है। इसलिए तकनीक का उपयोग मानवीय विवेक, सत्यापन और संपादकीय जवाबदेही के साथ होना चाहिए।

''अंतिम जन रू पत्रकारिता की असली कसौटी''

सीमांत किसान, मजदूर, आदिवासी, प्रवासी श्रमिक, विधवा और दिव्यांग नागरिकों की समस्याएँ अक्सर मुख्यधारा में पर्याप्त स्थान नहीं पातीं। गाँव में विद्यालय का अभाव, अस्पताल में चिकित्सक की कमी, मजदूरी का भुगतान न होना और सरकारी योजनाओं से वंचित परिवार भी महत्वपूर्ण समाचार हैं।

पत्रकारिता का धर्म केवल दुर्घटना दिखाना नहीं, अन्याय पैदा करने वाली परिस्थितियों को उजागर करना भी है।

''सात आयाम और पत्रकार का आत्मपरीक्षण''

सामाजिक निष्पक्षता, आर्थिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, सत्यनिष्ठ आध्यात्मिकता, वैश्विक स्वतंत्रता, संस्थागत स्वायत्तता और शारीरिक स्वास्थ्यकृये पत्रकारिता के सात महत्वपूर्ण आयाम हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की 2026 की सूची में भारत 180 देशों में 157वें स्थान पर है। यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है।

पत्रकार को भी बिना प्रमाण आरोप लगाने, अफवाह फैलाने, निजता भंग करने और समाचार को विज्ञापन बनाने से बचना होगा।

मनुस्मृति के चतुर्थ अध्याय के 138वें श्लोक का संदेश हैकृ

'सत्यं ब्रूयात्प्रियं ब्रूयान्न ब्रूयात्सत्यमप्रियम्।'

पत्रकारिता में इसका अर्थ अप्रिय सत्य छिपाना नहीं, बल्कि प्रमाणित सत्य को मर्यादित और जिम्मेदार भाषा में प्रस्तुत करना है।

''निष्कर्ष रू पत्रकारिता लोकधर्म है, केवल धंधा नहीं''

पत्रकार को न देवता बनाना है, न दुश्मन। उसे स्वतंत्र, सुरक्षित, स्वाभिमानी, उत्तरदायी और आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है।

जिस देश में पत्रकार की कलम की कीमत विज्ञापन से तय होगी, वहाँ खबर बाजार की वस्तु बनेगी। जहाँ उसकी चुप्पी भय से तय होगी, वहाँ लोकतंत्र कमजोर होगा। और जहाँ उसकी दिशा अंतिम जन की पीड़ा से तय होगी, वहाँ पत्रकारिता अपने वास्तविक लोकधर्म को प्राप्त करेगी।

क्योंकि पत्रकार की सबसे बड़ी शक्ति उसकी स्याही नहीं, जनता का वह विश्वास है जिसके सहारे लोकतंत्र अपनी आवाज उसे सौंपता है।



''लेखकः डॉ. दीपक गोस्वामी''
मानवीय व्यवहार वैज्ञानिक एवं सामाजिक मनोविज्ञान विश्लेषक
समन्वयक – आदर्श संस्कार शाला, भारत

23 की उम्र में मुंडवा लिया था सिर, फिर नहीं बढ़ाए कभी बाल



शो में आए विशाल से जब उनके बाल्ड लुक के बारे में पूछ गया, तो उन्होंने कहा, बहुत समय पहले मेरे लंबे और घने बाल थे। लेकिन २३ साल की उम्र में मैंने उन्हें कटवा दिया था। उस समय मैं बहुत धार्मिक था। एक सुबह, जैसे ही मैं उठा, मुझे तिरुपति जाकर वहां अपना सिर मुंडवाने की इच्छा हुई।

खुद को नास्तिक कहने वाले मशहूर बॉलीवुड सिंगर और म्यूजिशियन विशाल ददलानी अपनी दमदार आवाज के साथ–साथ अपने सिग्नेचर बाल्ड लुक के लिए भी जाने जाते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि सिंगर के कभी लंबे बाल थे। हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के यूट्यूब शो डबल डेट में आए 53 साल के विशाल ने अपने बाल्ड लुक के पीछे की दिलचस्प कहानी शेयर की। शो में आए विशाल से जब उनके बाल्ड लुक के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, बहुत समय पहले मेरे लंबे और घने बाल थे। लेकिन 23 साल की उम्र में मैंने उन्हें कटवा दिया था। उस समय मैं बहुत धार्मिक था। एक सुबह, जैसे ही मैं उठा, मुझे तिरुपति जाकर वहां अपना सिर मुंडवाने की इच्छा हुई। वहां सिर मुंडवाने के बाद, मैंने तुरंत कसम खाई कि मैं फिर कभी अपने बाल नहीं बढ़ाऊंगा। इस दौरान विशाल ने शो के होस्ट को अपनी एक पुरानी तस्वीर भी दिखाई, जिसमें वह लंबे बालों वाले लुक में दिख रहे थे।दिलचस्प बात यह है कि जिस विश्वास की वजह से विशाल ने अपना सिर मुंडवाया, उसने समय के साथ धर्म के बारे में उनके विचार बदल दिए। आज, वह खुले तौर पर खुद को नास्तिक कहते हैं। 2018 में, एक्स पर अपने विचार बताते हुए उन्होंने लिखा, मैं एक नास्तिक हूं जो हिंदू पैदा हुआ और मुझे यह भी नहीं पता कि मैं किस जाति का हूं। मेरा किसी मंदिर या मस्जिद से कोई लेना–देना नहीं है। नेहा धूपिया के शो में सिंगर ने बताया कि उन्होंने कभी शराब नहीं पी है और न ही पीना चाहते है हैं।

उन्होंने बताया कि बहुत कम उम्र में ही उन्होंने यह तय कर लिया था कि वे कभी शराब नहीं पिएंगे। इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया कि उनके परिवार में शराब पीना बहुत आम बात है। नेहा के इसकी कोई खास वजह पूछी तो सिंगर ने बताया कि बस बचपन में ही उनके मन में यह बात आ गई थी कि उन्हें शराब नहीं पीनी है और उन्होंने जिंदगीभर अपने इस फैसले को कायम रखा।



प्रोड्यूसर ने हर्षवर्धन राणे को गिफ्ट की रेंज रोवर, एक्टर ने रखी खास डिमांड, कहा–सनम तेरी कसम 2 का तोहफा दीजिए

एक्टर हर्षवर्धन राणे को हाल ही में प्रोड्यूसर दीपक मुकुट से एक लग्जरी रेंज रोवर कार गिफ्ट में मिली है। इसके बाद, हर्षवर्धन ने उनसे अपनी 2016 की रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम के सीक्वल को लेकर एक खास गुजारिश की है। इंस्टाग्राम पर हर्षवर्धन ने दीपक मुकुट की तारीफ करते हुए कहा कि वे अपनी बात के पक्के इंसान हैं। उन्होंने इच्छा जताई कि अगले महीने अपने जन्मदिन पर वे फैंस के साथ प्रोड्यूसर के ऑफिस जाएंगे और सनम तेरी कसम 2 के लिए उनकी मंजूरी मांगेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट और डायरेक्टर का चुनाव भी दीपक मुकुट ही कर सकते हैं। उन्होंने कार के पास खड़े होकर अपनी और दीपक मुकुट की एक फोटो शेयर की और लिखारू ष्दीपक सर, मैंने कई वादे देखे हैं, लेकिन आप सबसे अलग हैं। आप सच में अपनी बात के पक्के इंसान हैं। सर, पिछले साल जिस तरह मैं आपके ऑफिस के बाहर फैंस के साथ खड़ा होकर सनम तेरी कसम को फिर से रिलीज करने की मांग कर रहा था, ठीक उसी तरह अगले महीने अपने जन्मदिन पर मैं फिर से आपके पास आऊंगा। इस बार एक ही गुजारिश है,सनम तेरी कसम 2 के लिए आपकी मंजूरी। स्क्रिप्ट और डायरेक्टर आपकी पसंद के हों गे! क्या आप मुझे और मेरे फैंस को जन्मदिन का यह तोहफा देंगे, सर? (दोस्तों, चलिए को टैग करना शुरू करते हैं!) सनम तेरी कसम का निर्देशन राधिका राव और विनय सप्रू ने किया है। इस फिल्म से हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन ने हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। फिल्म में अनुराग सिन्हा, मनीष चौधरी, मुरली शर्मा और सुदेश बेरी भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म शिव–सती की पौराणिक कथा और एरिक सेगल के नॉवेल लव स्टोरी का एक आधुनिक रूपांतरण है। इसमें एक सख्त स्वभाव वाले पूर्व कैदी, इंदर और एक लाइब्रेरियन, सारू की कहानी दिखाई गई है। दोनों को प्यार हो जाता है और वे शादी कर लेते हैं, लेकिन एक दुखद घटना उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल देती है। सनम तेरी कसम 5 फरवरी 2016 को इरोज इंटरनेशनल के बैनर तले दुनिया भर में रिलीज हुई थी। आलोचकों से इसे मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली और अपनी पहली रिलीज के समय यह व्यावसायिक रूप से असफल रही लेकिन समय के साथ यह एक कल्ट फिल्म बन गई।

पंचायत 5 के लिए करना होगा लंबा इंतजार! 2026 में नहीं लौटेंगे अभिषेक त्रिपाठी और फुलेरा वाले



पंचायत के फैंस को फुलेरा वापस जाने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। रविवार को प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की, जिसमें बताया गया है कि इस लोकप्रिय सीरीज का अगला सीजन (सीजन 5) 2026 में नहीं आएगा। इस स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी पोस्ट के जरिए यह अपडेट दिया। इस पोस्ट में अभिनेता दुर्गेश कुमार नजर आ रहे हैं, जो सीरीज में भूषण शर्मा, यानी बनराकस का किरदार निभाते हैं। अभिनेता की एक तस्वीर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, हमें आपको यह बताते हुए खेद है कि 'पंचायत' का अगला सीजन कैद हो गया है। इसके बाद पोस्ट में आगे लिखा गया, पंचायत सीजन 5 इस साल रिलीज नहीं होगा। मेकर्स ने इस साल मार्च में मुंबई में हुए प्राइम वीडियो के 2026 रिलीज स्लेट इवेंट के दौरान आधिकारिक तौर पर पांचवें सीजन की घोषणा की थी। हालांकि, इस ताजा घोषणा का मतलब है कि फुलेरा में आगे क्या होगा, यह जानने के लिए दर्शकों को शायद 2026 के बाद तक का इंतजार करना पड़ सकता है। आने वाले सीजन में अभिषेक त्रिपाठी (जितेंद्र कुमार) और गांव के अन्य लोगों की कहानी आगे बढ़ेगी। चुनाव नतीजों के बाद, अभिषेक को फुलेरा के नए नेतृत्व के तहत काम के मुश्किल माहौल का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, वह अपने डठ। करने के सपने को पूरा करने की तैयारी भी जारी रखेंगे। हालाँकि, अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले, अभिषेक को गाँव में कुछ अधूरे काम निपटाने होंगे। नए सीजन में यह भी दिखाया जाएगा कि प्रधान जी अपनी हार को कैसे संभालते हैं और चुनाव के बाद बाकी किरदारों की जिंदगी में क्या बदलाव आते हैं। द वायरल फीवर (टीवीएफ) द्वारा निर्मित, पंचायत का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा ने किया है और इसे चंदन कुमार ने लिखा है। जितेंद्र कुमार के अलावा, इस सीरीज में रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सान्विका, दुर्गेश कुमार, अशोक पाठक और सुनीता राजवार अहम भूमिकाओं में हैं। पंचायत का चौथा सीजन 24 जून, 2025 को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ। पिछले सीजन में अभिषेक के उस सफर को दिखाया गया है, जिसमें वह एक इंजीनियरिंग ग्रेजुएट से गांव का पंचायत सचिव बनता है और धीरे–धीरे फुलेरा की रोजमर्रा की जिंदगी और वहां की राजनीति का हिस्सा बन जाता है।



रणबीर की रामायण ने तोड़ा जवान और पठान का रिकॉर्ड

रणबीर कपूर की पौराणिक फिल्म रामायणम् ने रिलीज के महज 10 दिनों में वर्ल्डवाइड 1224 करोड़ रुपये से ज्यादा की रिकॉर्ड कमाई कर ली है। इस फिल्म ने जवान, पठान और बजरंगी भाईजान जैसी पांच बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक कमाई के मामले में अब यह केवल दंगल और धुरंधर सीरीज से पीछे है। इस समय बॉक्स ऑफिस पर माइथोलॉजिकल फिल्म रामायणम् ब्लॉकबस्टर्स कमाई कर रही है। दीवाली के दौरान सिनेमाघरों में इस फिल्म को रिलीज किया गया था। एक्टर रणबीर कपूर की रामायणम् पार्ट–1 फिलहाल दर्शकों के पहली पसंद बन चुकी है। फिल्म की वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में रामायणम् ने अब तक ताबड़तोड़ रिकॉर्ड बनाएं। इन मूवी ने हिंदी सिनेमा की 5 बड़ी ब्लॉकबस्टर्स फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। जिसमें सलमान खान और शाह रुख खान की सफल फिल्में शामिल रहीं है।

रामायणम् ने तोड़ा इन पांच मूवीज का रिकॉर्ड

इस शनिवार को रामायणम् के लिए रिलीज का 10वां दिन हुआ है। निर्देशक नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा की इस पौराणिक फिल्म के ग्रॉस कलेक्शन में 51 प्रतिशत से अधिक का उछाल देखने को मिला है। फिल्म ने 10वें दिन वर्ल्डवाइड 117 करोड़ से अधिक का कारोबार किया है, जिससे अपने आप में एक महा रिकॉर्ड है। इसके अलावा, अब रामायणम् पार्ट–1 बॉलीवुड की 5 ब्लॉकबस्टर्स से आगे निकल चुकी है। पूरी डिटेल्स आपको इस आर्टिकल में बताते हैं–

रामायणम् वर्ल्डवाइड कलेक्शन– 1224.55 करोड़ (10 दिन)

जवान वर्ल्डवाइड कलेक्शन– 1148.32 करोड़ (लाइफटाइम)

पठान वर्ल्डवाइड कलेक्शन– 1050.3 करोड़ (लाइफटाइम)

बजरंगी भाईजान वर्ल्डवाइड कलेक्शन– 918.18 करोड़ (लाइफटाइम)

एनिमल वर्ल्डवाइड कलेक्शन– 917.82 करोड़ (लाइफटाइम)

सीक्रेट सुपरस्टार वर्ल्डवाइड कलेक्शन– 875.78 करोड़ (लाइफटाइम)

फिल्म की कमाई के आंकड़े बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट से लिए गए हैं। इन आंकड़ों से रणबीर कपूर ने बॉलीवुड के तीन खान शाह रुख, सलमान और आमिर खान के करियर की टॉप फिल्मों को पछाड़ दिया है।

रामायणम् से आगे ये हिंदी फिल्में

बात करें ग्लोबली कमाई के मामले में अभी भी रामायणम् से आगे तीन हिंदी फिल्में है, जिनमें रणवीर सिंह की धुरंधर फ्रेंचाइजी की दोनों मूवीज धुरंधर और धुरंधर के नाम शामिल है। वहीं, सबसे अधिक वर्ल्डवाइड कलेक्शन करने वाली फिल्म दंगल को चुनौती पार करना रामायणम् के लिए बड़ा काम है।

श्रद्धा कपूर की 'ईठा' के नए गाने 'जी जी रे जी' की झलक आई सामने, कल रिलीज होगा पूरा ट्रैक



मैडॉक फिल्म्स और कठपुतली क्रिएशन्स की आने वाली फिल्म 'ईठा' के म्यूजिक को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ता नजर आ रहा है। फिल्म के मेकर्स ने इसके नए गाने 'जी जी रे जी' का टीजर जारी कर दिया है। इस छोटी सी झलक में फिल्म की भव्य और संगीतमय दुनिया के साथ श्रद्धा कपूर के शानदार डांस की झलक देखने को मिलती है। फिल्म में श्रद्धा मुख्य किरदार ईठा की भूमिका निभा रही हैं। निर्माताओं ने यह भी घोषणा की है कि गाने का पूरा वर्जन कल रिलीज किया जाएगा। 'जी जी रे जी' को मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय–अतुल ने तैयार किया है। नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित यह जोड़ी गाने की कंपोजिशन, अरेंजमेंट, कंडक्टिंग और प्रोडक्शन से जुड़ी है। इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं, जबकि श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। इन सभी दिग्गज कलाकारों के साथ आने से गाने को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं। गाने के टीजर में श्रद्धा कपूर पारंपरिक परिधान में बेहद आकर्षक अंदाज में दिखाई दे रही हैं। वैभवी मर्चेंट ने इसकी कोरियोग्राफी की है। उनके डांस स्टेप्स, भाव–भंगिमाएं और मंच पर शानदार प्रस्तुति गाने की खासियत बनकर सामने आती हैं। टीजर में श्रद्धा के किरदार की कला, आत्मविश्वास और जुनून की झलक भी देखने को मिलती है। 'ईठा' में संगीत को कहानी का एक अहम हिस्सा बनाया गया है। फिल्म के गाने मुख्य किरदार की भावनाओं, सपनों, संघर्ष और महत्वाकांक्षाओं को दर्शाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ऐसे में 'जी जी रे जी' की पहली झलक फिल्म के म्यूजिकल अंदाज और उसके भव्य ट्रीटमेंट का परिचय देती है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दिनेश विजान, लक्ष्मण उतेकर और करिश्मा शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। 'ईठा' 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिलहाल गाने के टीजर ने फिल्म के संगीत को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। अब दर्शकों को इसके पूरे गाने का इंतजार है, जो कल रिलीज होगा।



टुटला भवानी वॉटरफॉल पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र

बिहार के रोहतास जिले में सासाराम से 30 किमी दूर स्थित मां टुटला भवानी वॉटरफॉल पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। दो पहाड़ों के बीच 200 मीटर की ऊंचाई से गिरते इस झरने की एंट्री फीस 30 रुपये है। यहां जाने के लिए अक्टूबर और नवंबर का महीना सबसे बेहतरीन माना जाता है।

बिहार राज्य हिंदू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म और सिख धर्म जैसे विभिन्न धर्मों के सबसे पवित्र स्थानों में से एक है। कई लोग यहां पर तीर्थ यात्रा के लिए आते है। इसके साथ ही बिहार के कल्चर को देखने टूरिस्ट देश–दुनिया से आते हैं। बिहार की फेमस आर्ट मधुबनी पेंटिंग पूरी दुनिया में फेमस है। वहीं बिहार का लोक नृत्य और लोक गीत भारत की संस्कृति को दर्शाता है। वहीं प्राकृतिक सौंदर्य के मामले में भी बिहार किसी राज्य से पीछे नहीं है। अगर आप भी बिहार घूमने का प्लान कर रही हैं और यहां की प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखना चाहती हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के एक खूबसूरत वॉटरफॉल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको देखकर आपका मन भी प्रफुल्लित हो उठेगा।

भवानी वॉटरफॉल

बिहार के रोहतास जिले में स्थित मां टुटला श्भवानी वॉटरफॉलश के आसपास का नजारा इतना खूबसूरत और मनमोहक है कि आपको लगेगा जैसे आप केरल की वादियों में खड़े हैं। यहां पर रोजाना टूरिस्टों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर आप भी बिहार घूमने के लिए आ रही हैं, तो आपको यह वॉटरफॉल जरूर देखना चाहिए।

कहां है ये वॉटरफॉल

यह वॉटरफॉल बिहार क सासाराम शहर के पास है। यह सासाराम से करीब 30 किमी दूर है। मां टुटला भवानी वॉटरफॉल बेहद खूबसूरत होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व भी रखता है। जो भी भक्त यहां पर दर्शन के लिए आते हैं, वह एक बार इस वॉटरफॉल को देखने के लिए जरूर आते हैं। यह वॉटरफॉल दो विशाल पहाड़ों के बीच से 200 मीटर की ऊंचाई से निकलने हुए गिरता है।

टिकट

भवानी वॉटरफॉल को देखने के लिए आपको टिकट लेना होगा। बिना टिकट लिए आप एंट्री नहीं कर पाएंगी। एंट्री फीस 30 रुपए है और आप जब भी वॉटरफॉल जाएं, तो अच्छी ग्रिप वाला जूता पहनकर जाएं। क्योंकि यहां पर वॉटरफॉल के आसपास फिसलन होती है। इसके अलावा भवानी वॉटरफॉल के आसपास के टूरिस्ट प्लेस जैसे– तारा चंडी मंदिर, नेहरू पार्क और शेर शाह सूरी मकबरा– हिंदुस्तान आदि जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

जाने का सही समय

इस वॉटरफॉल को देखने के लिए आप कभी भी जा सकते हैं। लेकिन इसको देखने के लिए अक्टूबर से नवंबर का महीना बेस्ट होता है। इस दौरान हल्की ठंडक रहती है और हल्की धूप पड़ने से वॉटरफॉल का पानी चमकने लगता है। इसको एक्सप्लोर करने में कम से कम 3 घंटे का समय लग सकता है। इसलिए जब भी आप यहां आएं, तो समय निकालकर आएं। टूरिस्ट की सुबह 07रू00 बजे से लेकर शाम 05:00 बजे तक एंट्री होती है।

जानिए कैसे पहुंचे

बता दें कि बिहार सभी रोड के जरिए राज्यों से कनेक्टेड है। अगर आप ट्रेन से आ रही हैं, तो आपको सासाराम रेलवे स्टेशन उतरना होगा, जोकि तुतला भवानी वॉटरफॉल से कुछ ही किमी दूर है। इस वॉटरफॉल तक पहुंचने के लिए आप रिक्शा या टैक्सी ले सकती हैं। लेकिन अगर आप फ्लाइट से आ रही हैं, तो आपको गया एयरपोर्ट उतरना होगा। वहीं पटना और वाराणसी भी एयरपोर्ट सासाराम स्टेशन के सबसे पास पड़ते हैं।

वजन से लेकर ब्लड शुगर तक, रोज सुबह मेथी का पानी पीने से शरीर को मिलते हैं ये 4 फायदे



भारतीय रसोई में मेथी दाने का इस्तेमाल दाल–सब्जी का स्वाद बढ़ाने से लेकर अचार बनाने तक कई तरह से किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाने में स्वाद का तड़का लगाने वाला यह छोटा–सा मसाला सेहत के लिहाज से भी फायदेमंद हो सकता है? पुराने समय से ही सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीने की सलाह दी जाती रही है।

माना जाता है कि इससे पाचन बेहतर रहता है, वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है और ब्लड शुगर को संतुलित रखने में भी फायदा हो सकता है। मेथी के दानों में फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के बायोएक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर और गैलेक्टोमैनन नाम का घुलनशील फाइबर खास तौर पर चर्चा में रहता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित कुछ शोधों में भी मेथी के सेवन और ब्लड शुगर व कोलेस्ट्रॉल के स्तर पर इसके संभावित प्रभावों का जिक्र किया गया है। हालांकि, मेथी का पानी किसी बीमारी का इलाज नहीं है और न ही इसे वजन घटाने या डायबिटीज कंट्रोल करने का पक्का तरीका समझना चाहिए। आइए जानते हैं कि सुबह मेथी का पानी पीने से शरीर को क्या फायदे मिल सकते हैं।

ब्लड शुगर को संतुलित रखने में मिल सकती है मदद

मेथी के दानों में मौजूद घुलनशील फाइबर कार्बोहाइड्रेट के पाचन और शरीर में ग्लूकोज के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद कर सकता है। इससे खाना खाने के बाद ब्लड शुगर में अचानक होने वाली बढ़ोतरी को कम करने में मदद मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित कुछ अध्ययनों में मेथी के सेवन से फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज, खाने के बाद के ब्लड शुगर और एचबीएसी के स्तर में सुधार देखा गया है। हालांकि, इन नतीजों को मेथी के पानी पर सीधे लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि कई अध्ययनों में मेथी के दानों या उनके पाउडर का इस्तेमाल किया गया था। डायबिटीज के मरीज इसे दवाओं का विकल्प न समझें और डॉक्टर की सलाह के बिना अपनी दवाएं बंद न करें।

वजन कंट्रोल करने में हो सकती है मदद

अगर आप बढ़ते वजन से परेशान हैं और इसे कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो मेथी के दानों को अपनी संतुलित डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद कर सकता है। इससे बार–बार भूख लगने और कुछ न कुछ खाते रहने की आदत को कंट्रोल करने में सहायता मिल सकती है। हालांकि, सिर्फ सुबह मेथी का पानी पीने से वजन कम नहीं होता। वजन घटाने के लिए संतुलित खानपान, नियमित शारीरिक गतिविधि और पर्याप्त नींद भी जरूरी हैं। मेथी का पानी इन आदतों के साथ एक अतिरिक्त विकल्प हो सकता है, कोई जादुई उपाय नहीं।

पाचन को बेहतर बनाने में मददगार

मेथी के दानों में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र के सही तरीके से काम करने के लिए जरूरी होता है। पर्याप्त फाइबर लेने से मल त्याग आसान हो सकता है और कब्ज की परेशानी में राहत मिल सकती है। हालांकि, यहां एक बात समझना जरूरी है कि मेथी के साबुत दाने खाने से शरीर को ज्यादा फाइबर मिल सकता है, जबकि पानी छानकर पीने पर ज्यादातर दाने अलग हो जाते हैं। इसलिए केवल मेथी का पानी पीने से उतना फाइबर नहीं मिलेगा, जितना साबुत दानों का सेवन करने से मिल सकता है।

कोलेस्ट्रॉल के स्तर पर पड़ सकता है असर

मेथी के दानों में मौजूद घुलनशील फाइबर और दूसरे बायोएक्टिव तत्व कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ शोधों में मेथी के सेवन के बाद टोटल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर में सुधार देखा गया है। लेकिन इन फायदों को पूरी तरह साबित करने के लिए अभी बड़े और बेहतर क्लीनिकल ट्रायल की जरूरत है। इसलिए हाई कोलेस्ट्रॉल से परेशान लोगों को मेथी के पानी के भरोसे अपनी दवाएं या डॉक्टर का बताया इलाज नहीं छोड़ना चाहिए।

घर पर कैसे बनाएं मेथी दाने का पानी?

मेथी का पानी बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको बहुत ज्यादा चीजों की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

बनाने का तरीका

सबसे पहले एक चम्मच मेथी दाने लेकर उन्हें साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। अब एक गिलास पानी में इन दानों को डालकर ढक दें। इसे रातभर या करीब 6 से 8 घंटे तक भीगने दें। सुबह पानी को छान लें और अपनी सहनशीलता के अनुसार इसका सेवन करें।चाहें तो भीगे हुए मेथी के दानों को भी भोजन के साथ खा सकते हैं, ताकि उनसे मिलने वाला फाइबर भी आहार में शामिल हो सके।

मेथी का पानी पीने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

मेथी का पानी हर किसी के लिए एक जैसा असर नहीं करता। कुछ लोगों को इसके सेवन से पेट में गैस, दस्त या अन्य पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है। इसके अलावा, मेथी ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है, इसलिए डायबिटीज की दवा या इंसुलिन लेने वाले लोगों को इसका नियमित सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं और किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों को भी बिना चिकित्सकीय सलाह के इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

ध्यान रखें: मेथी के दानों को संतुलित खानपान का हिस्सा बनाया जा सकता है, लेकिन मेथी का पानी न तो डायबिटीज का इलाज है और न ही वजन घटाने का शॉर्टकट।

बार–बार फूल रहे हैं हाथ–पैर! जानिए शरीर में पानी भरने के पीछे की वजह

कई बार आपने देखा होगा कि कुछ लोगों के पैरों, टखनों या हाथों में अचानक सूजन आने लगती है। आम बोलचाल में इसे हाथ–पैरों में पानी भरना कहा जाता है। मेडिकल भाषा में इस स्थिति को एडेमा कहते हैं। इसमें शरीर के ऊतकों में अतिरिक्त तरल जमा होने लगता है, जिससे हाथ–पैर फूले हुए दिखाई देते हैं। कई बार लंबे समय तक एक जगह बैठे रहने या ज्यादा नमक खाने से भी ऐसा हो सकता है, लेकिन कुछ मामलों में यह हृदय, किडनी और लिवर से जुड़ी बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। यूएस नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एनसीआई) के अनुसार, कुछ प्रकार के कैंसर और उनके इलाज के कारण भी हाथ–पैरों में सूजन आ सकती है। आइए जानते हैं एडेमा होने के कारण, इसके लक्षण और इससे जुड़ी बीमारियों के बारे में।

हाथ–पैरों में पानी भरना यानी एडेमा क्या है?

एडेमा ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर के ऊतकों में जरूरत से ज्यादा तरल जमा हो जाता है। इसकी वजह से त्वचा के नीचे सूजन दिखाई देने लगती है। जब यह समस्या हाथों, पैरों, टखनों या पंजों में होती है, तो इसे पेरिफेरल एडेमा कहा जाता है। कई बार सूजन वाली जगह की त्वचा चमकदार और खिंची हुई दिखाई देती है। प्रभावित हिस्से को उंगली से दबाने पर कुछ देर के लिए गड्ढा भी बन सकता है। हालांकि, हर तरह की सूजन में ऐसा होना जरूरी नहीं है।

किन बीमारियों के कारण फूल सकते हैं हाथ–पैर?

किडनी से जुड़ी बीमारी: किडनी शरीर से अतिरिक्त पानी और नमक को बाहर निकालने का काम करती है। जब किडनी ठीक से काम नहीं कर पाती, तो शरीर में तरल जमा होने लगता है। इसकी वजह से पैरों, टखनों और कभी–कभी चेहरे पर भी सूजन दिखाई दे सकती है।

दिल से जुड़ी समस्या: कंजेस्टिव हार्ट फेलियर यानी हृदय की पंप करने की क्षमता कमजोर होने पर शरीर में तरल जमा हो सकता है। इससे खासतौर पर पैरों और टखनों में सूजन आने लगती है। कुछ लोगों को इसके साथ सांस फूलने और थकान की समस्या भी हो सकती है।

लिवर की बीमारी: लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी में शरीर में तरल जमा होने की समस्या हो सकती है। इससे पैरों में सूजन के अलावा पेट में भी पानी भर सकता है। लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित होने पर शरीर में एल्ब्यूमिन नामक प्रोटीन का स्तर भी कम हो सकता है, जिससे सूजन बढ़ सकती है।

कैंसर का संकेत: कुछ मामलों में हाथ–पैरों में सूजन कैंसर से भी जुड़ी हो सकती है। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के मुताबिक, किडनी, लिवर, ओवरी और गर्भाशय से जुड़े कुछ कैंसर आसपास की नसों या रक्त प्रवाह पर दबाव डालकर पैरों में सूजन पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाओं और थेरेपी के कारण भी एडेमा हो सकता है। हालांकि, केवल हाथ–पैरों में सूजन होना कैंसर होने का प्रमाण नहीं है। इसके पीछे कई सामान्य और अन्य चिकित्सकीय कारण भी हो सकते हैं।

डीप वेन थ्रोम्बोसिस: डीप वेन थ्रोम्बोसिस ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर की गहरी नसों में खून का थक्का जम जाता है। यह समस्या अक्सर पैरों में होती है। इसके कारण एक पैर में अचानक सूजन, दर्द, लालिमा या गर्माहट महसूस हो सकती है। ऐसी स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय जांच जरूरी है, क्योंकि खून का थक्का फेफड़ों तक पहुंचने पर गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

थायराइड और फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं: थायराइड की कुछ स्थितियों और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों में भी शरीर में सूजन दिखाई दे सकती है। हालांकि, सूजन का कारण जानने के लिए डॉक्टर की जांच जरूरी होती है।



दवाओं और गलत खानपान से भी हो सकता है एडेमा

हर बार हाथ–पैरों में सूजन किसी गंभीर बीमारी के कारण ही नहीं होती। कुछ दवाओं के सेवन से भी शरीर में नमक और पानी जमा हो सकता है। इनमें ब्लड प्रेशर की कुछ दवाएं, गर्भनिरोधक गोलियां, स्टेरॉयड और कुछ दर्द निवारक दवाएं शामिल हैं। इसके अलावा ज्यादा नमक खाना, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे या खड़े रहना और शारीरिक गतिविधियों की कमी भी सूजन का कारण बन सकती है।

प्रेग्नेंसी में क्यों फूल जाते हैं हाथ–पैर?

गर्भावस्था के दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। इस दौरान शरीर में तरल की मात्रा बढ़ने और बढ़ते गर्भाशय के कारण पैरों की नसों पर दबाव पड़ने से टखनों और पैरों में हल्की सूजन आ सकती है। हालांकि, गर्भावस्था में अचानक या बहुत ज्यादा सूजन, खासकर चेहरे और हाथों में सूजन के साथ तेज सिरदर्द, नजर धुंधली होना या पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। ये प्री–एक्लेम्पसिया के संकेत हो सकते हैं।

पेरिफेरल एडेमा के क्या लक्षण होते हैं?

हाथ–पैरों में पानी भरने यानी एडेमा के कुछ सामान्य लक्षण इस प्रकार हो सकते हैं

पैरों, टखनों और पंजों में सूजन दिखाई देना।

हाथों और उंगलियों का फूला हुआ नजर आना।

प्रभावित हिस्से में भारीपन या खिंचाव महसूस होना।

त्वचा का चमकदार और खिंचा हुआ दिखाई देना।

सूजन वाली जगह को दबाने पर कुछ देर के लिए गड्ढा बनना।

जूते, चप्पल, अंगूठी या कपड़े पहले से ज्यादा टाइट महसूस होना।

कुछ मामलों में तेजी से वजन बढ़ना।

क्या हाथ–पैरों में पानी भरना जानलेवा हो सकता है?

हल्की सूजन हमेशा गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होती, लेकिन अगर शरीर में तरल ज्यादा जमा होने लगे या इसके पीछे कोई गंभीर बीमारी हो, तो स्थिति खतरनाक हो सकती है। यूएस नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अनुसार, कुछ लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इन स्थितियों में तुरंत मेडिकल सहायता लें

अचानक हाथ या पैर में दर्द के साथ सूजन आना।

सूजन वाली जगह का लाल होना या छूने पर गर्म महसूस होना।

सूजन का तेजी से हाथ या पैर में फैलना।

कुछ ही समय में वजन तेजी से बढ़ना।

पेशाब बहुत कम होना या पेशाब न कर पाना।

सांस फूलना या सांस लेने में परेशानी होना।

सीने में दर्द, भारीपन या जकड़न महसूस होना।

खास ध्यान दें रू सांस लेने में परेशानी या सीने में दर्द के साथ सूजन होने पर तुरंत इमरजेंसी मेडिकल सहायता लें।

एडेमा होने पर क्या करना चाहिए

हाथ–पैरों में लगातार सूजन रहने पर खुद से दवा लेने के बजाय डॉक्टर से जांच करवाएं। सूजन का इलाज उसके असली कारण पर निर्भर करता है। डॉक्टर जरूरत के अनुसार ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट और अल्ट्रासाउंड जैसी जांच कराने की सलाह दे सकते हैं। लंबे समय तक एक जगह बैठने से बचें, हल्की शारीरिक गतिविधि करें और पैरों को आराम करते समय थोड़ा ऊंचा रखें। खाने में नमक की मात्रा सीमित रखने से भी मदद मिल सकती है। हालांकि, बिना डॉक्टर की सलाह के पानी की गोलियां न लें और न ही पहले से चल रही दवाएं बंद करें।

संक्षिप्त



महाराष्ट्र में समय पूर्व पेराई से देश का चीनी उत्पादक दोगुना होकर 23.59 लाख टन पहुंचा

देश के शीर्ष चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में मिलों द्वारा पेराई जल्दी शुरू किए जाने से चालू पेराई सत्र 2026–27 में 15 नवंबर तक भारत का चीनी उत्पादन दोगुना से अधिक होकर 23.59 लाख टन पर पहुंच गया। उद्योग निकाय इंडियन शुगर एंड बायो–एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इस्मा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस्मा ने बताया कि एक साल पहले की समान अवधि में उत्पादन 11.49 लाख टन रहा था। चीनी उत्पादन सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है और आमतौर पर गन्ने की पेराई अक्टूबर–नवंबर में शुरू होती है। महाराष्ट्र में उत्पादन तीन गुना से अधिक होकर 18.51 लाख टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले 5.25 लाख टन था। इस पश्चिमी राज्य में मिलों ने अन्य राज्यों की तुलना में पहले यानी आठ अक्टूबर से ही पेराई शुरू कर दी थी। वहां 15 नवंबर तक 154 मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 132 थी। दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन 4.25 लाख टन से गिरकर 2.10 लाख टन रह गया। वहां एक साल पहले के 88 मिलों की तुलना में 80 मिलें चालू थीं। तीसरे सबसे बड़े उत्पादक कर्नाटक में उत्पादन लगभग स्थिर रहा और यह एक साल पहले के 1.46 लाख टन के मुकाबले 1.40 लाख टन पर था। वहां पिछले साल की 68 मिलों के मुकाबले 56 मिलें चालू थीं। इस्मा के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने बयान में कहा, चीनी सत्र स्थिर गति से आगे बढ़ रहा है। इस साल 15 नवंबर तक 313 मिलों ने काम शुरू कर दिया है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 311 मिलें चालू थीं। उन्होंने कहा, चीनी उत्पादन 11.49 लाख टन के मुकाबले 23.59 लाख टन तक पहुंच गया है... जो मुख्य रूप से महाराष्ट्र में पेराई जल्द शुरू होने को दर्शाता है। इस्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में पेराई जोर पकड़ रही है और जल्द ही कुछ और मिलों के चालू होने की उम्मीद है।

US Dollar के मुकाबले Rupee में छह पैसे की मजबूती, 94.13 के स्तर पर पहुंचा

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे चढ़कर 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से घरेलू मुद्रा को बल मिला। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 414.36 अंक उछलकर 82,010.15 अंक पर जबकि निफ्टी 102.10 अंक चढ़कर 25,252.50 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 1.03 प्रतिशत फिसलकर 94.85 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 5,736.55 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

टाटा स्टील की क्षमता 4 करोड़ टन करने की तैयारी, जमशेदपुर में बोले टी.वी. नरेंद्रन

टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी. वी. नरेंद्रन ने कहा है कि कंपनी को चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में पहली छमाही की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस्पात की मांग मजबूत बनी हुई है और बाजार की परिस्थितियां अनुकूल हैं। इसके अलावा, वाहन और निर्माण जैसे प्रमुख ग्राहक क्षेत्रों में वृद्धि भी उत्साहजनक रही है, जिससे कंपनी को पहली छमाही में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली। नरेंद्रन ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष का कंपनी पर प्रति तिमाही करीब 1,000 करोड़ रुपये और वैश्विक स्तर पर करीब 1,400 करोड़ रुपये का असर पड़ा है। उन्होंने यह बात रविवार को जमशेदपुर में पांच दिवसीय अखिल भारतीय जनजातीय सम्मेलन 'संवाद' के उद्घाटन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में कही। नरेंद्रन ने पहली छमाही के दौरान ओडिशा में कंपनी के कलिंगनगर और मेरामंडली संयंत्रों में परिचालन संबंधी चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन भरोसा जताया कि दूसरी छमाही में उत्पादन तथा परिचालन में स्थिरता आएगी। विस्तार योजनाओं पर नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील ने नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड में 50 लाख टन की क्षमता वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी लुधियाना स्थित अपनी इकाई की तर्ज पर दक्षिणी और पश्चिमी भारत में कबाड़ आधारित इस्पात संयंत्र स्थापित करने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर संयंत्र में आगे विस्तार की गुंजाइश सीमित है। वहां कंपनी का ध्यान टिनप्लेट और कॉम्बीमिल्स जैसी डाउनस्ट्रीम इकाइयों तथा कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए हिसारना स्टीलमेकिंग और ईएएसवाईमेल्ट सहित नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर होगा। उन्होंने कहा, "टाटा स्टील के पास विस्तार के लिए कलिंगनगर और नीलाचल में करीब 6,000 एकड़ जमीन है और कंपनी की कुल क्षमता बढ़ाकर चार करोड़ टन करने की योजना है। इस लक्ष्य को अगले कुछ वर्षों में हासिल करने के लिए कई परियोजनाओं पर काम पहले ही शुरू किया जा चुका है।" नरेंद्रन ने कहा कि दक्षिणी और पश्चिमी भारत में प्रस्तावित कबाड़ आधारित संयंत्रों के लिए करीब 100–150 एकड़ जमीन की जरूरत होगी। इन्हें एक से दो साल के भीतर स्थापित किया जा सकता है। आठ लाख टन क्षमता वाले एक संयंत्र पर करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे संयंत्र लौह अयस्क आधारित इस्पात इकाइयों की तुलना में अधिक महंगे होते हैं, लेकिन इन्हें कबाड़ उत्पादन के स्रोतों के करीब स्थापित किया जा सकता है। नरेंद्रन ने कहा कि कंपनी महाराष्ट्र के चिरोली में भी संयंत्र स्थापित करने की संभावना तलाश रही है और इस संबंध में राज्य सरकार के साथ बातचीत जारी है।

रोहित को लेकर किस तरह बढ़ी प्रज्ञान ओझा की चिंता ? वनडे सीरीज में नहीं चला हिटमैन का जादू



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए उनकी दावेदारी पर सवाल उठने लगे हैं। अब चयन समिति के नए अध्यक्ष प्रज्ञान ओझा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करने की होगी कि रोहित को उनके अनुभव और टीम के प्रति योगदान के आधार पर मौका दिया जाए या फिर मौजूदा फॉर्म को चयन का आधार बनाया जाए। रोहित शर्मा और प्रज्ञान ओझा की दोस्ती जूनियर क्रिकेट के दिनों से है। दोनों के बीच राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के ट्रेनिंग कैंप के दौरान भी नजदीकियां बढ़ीं। लेकिन अब क्रिकेट के मैदान पर दोनों के सामने एक मुश्किल स्थिति खड़ी है। ओझा को चयनकर्ता प्रमुख के तौर पर रोहित के भविष्य को लेकर निष्पक्ष फैसला करना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर खेली गई वनडे सीरीज में रोहित का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। उन्होंने चार पारियों में महज 30 रन बनाए। तेज गेंदबाजों की स्विंग, सीम मूवमेंट और उछाल के सामने रोहित संघर्ष करते नजर आए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप की चुनौती के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे। इससे पहले भी रोहित के संन्यास को लेकर चयनकर्ताओं और उनके बीच बातचीत हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कहने पर प्रज्ञान ओझा ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले रोहित से मुलाकात की थी। इस बातचीत का मकसद यह जानना था कि क्या रोहित लॉर्ड्स में अपने वनडे करियर को अलविदा कहने के लिए तैयार हैं। हालांकि, रोहित इस प्रस्ताव से सहमत नहीं थे और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के शीर्ष अधिकारियों तक अपनी नाराजगी भी पहुंचा दी। अगरकर और रोहित के बीच कप्तानी को लेकर भी मतभेद सामने आए थे। चौंपियंस ट्रॉफी जिताने के बावजूद रोहित को वनडे कप्तानी से हटाए जाने के बाद दोनों के व्यक्तिगत रिश्तों में भी खटास आने की चर्चा रही। अब अगरकर के बाद चयन समिति की जिम्मेदारी प्रज्ञान ओझा के पास है और रोहित के भविष्य पर फैसला लेने की चुनौती भी उन्हीं के सामने है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद शीर्ष क्रम के लगातार लड़खड़ाने पर चिंता जताई थी। हालांकि, भारतीय टीम ने शानदार गेंदबाजी के दम पर सीरीज 3–1 से अपने नाम कर ली। लेकिन बल्लेबाजी में आई कमजोरी ने टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। विश्व कप से पहले भारत को घरेलू मैदान पर छह वनडे मैच खेलने हैं। इसके बाद करीब छह महीने का अंतराल होगा, जिसके बाद टीम विश्व कप की तैयारियों के अंतिम चरण में प्रवेश करेगी। घरेलू मैदान पर श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ सपाट पिचों पर रोहित के पास रन बनाने का मौका होगा। लेकिन असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका जैसी परिस्थितियों में होगी, जहां तेज गेंदबाजों को उछाल और सीम मूवमेंट मिल सकता है।

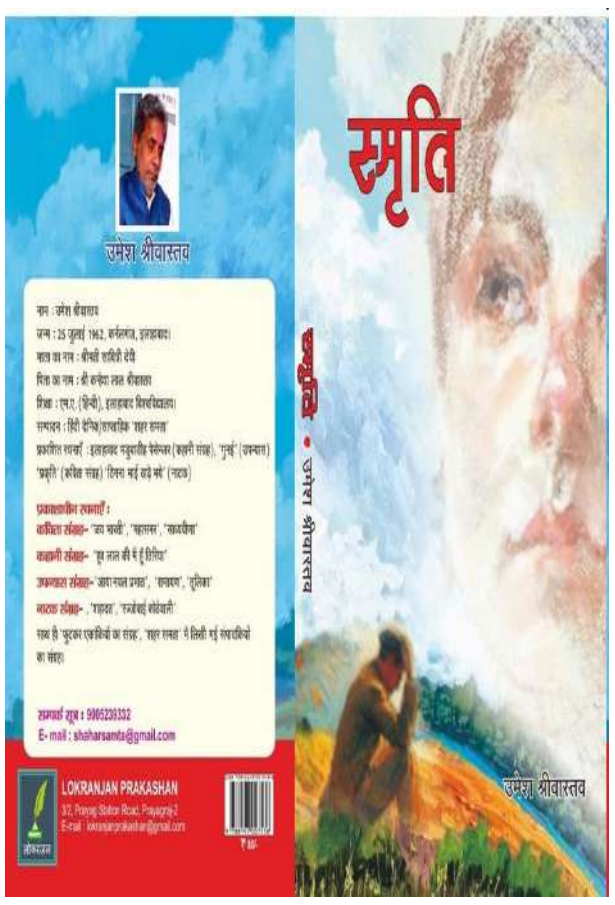
जसप्रीत बुमराह की वापसी, कुलदीप यादव बाहर, न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में बड़े बदलाव

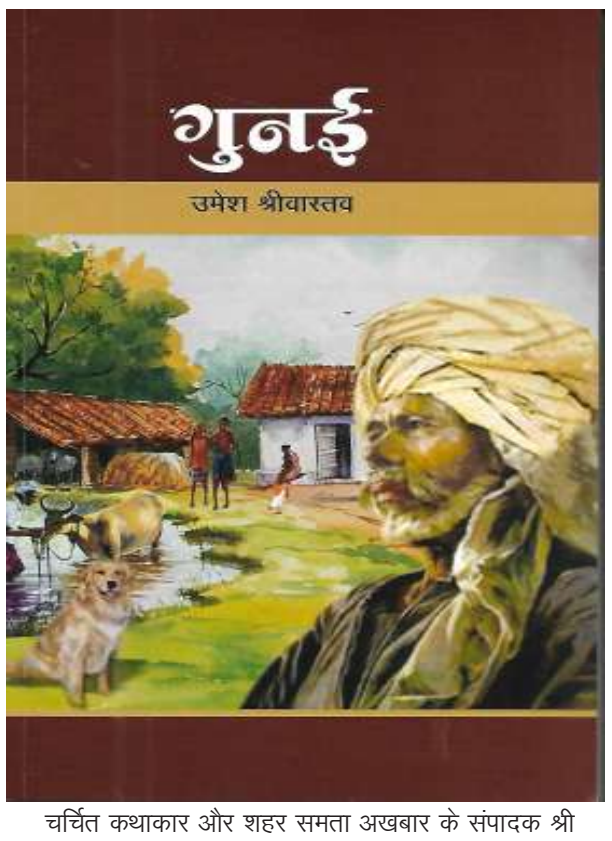
इस अहम दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने एक बेहद संतुलित और मजबूत स्क्वाड की घोषणा की है। खास बात यह है कि न्यूजीलैंड की तेज और उछाल भरी पिचों को ध्यान में रखते हुए चुनी गई यह टीम, श्रीलंका के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज खेलने वाली भारतीय टीम से काफी अलग नजर आ रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बहुप्रतीक्षित दो मैचों की टेस्ट सीरीज का मंच पूरी तरह से तैयार है। T20I और ODI सीरीज में शानदार जीत दर्ज करने के बाद, अब भारतीय क्रिकेट टीम की निगाहें टेस्ट फॉर्मेट में भी श्ब्लैक कैप्सश (न्यूजीलैंड) को उन्हीं की धरती पर मात देने पर टिकी हैं। सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार, 19 नवंबर 2026 से वेलिंगटन के ऐतिहासिक बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जाएगा। इस अहम दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने एक बेहद संतुलित और मजबूत स्क्वाड की घोषणा की है। खास बात यह है कि न्यूजीलैंड की तेज और उछाल भरी पिचों को ध्यान में रखते हुए चुनी गई यह टीम, श्रीलंका के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज खेलने वाली भारतीय टीम से काफी अलग नजर आ रही है। गौरतलब है कि सीरीज से पहले, ठब्ब् (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। बोर्ड ने श्ब्लैक कैप्सश (न्यूजीलैंड) के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद के साथ एक मजबूत टीम चुनी है। खास बात यह है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने वाली भारतीय टीम, श्रीलंका के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज खेलने वाली टीम से काफी अलग है। उदाहरण के लिए, न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप और कंबोज, टॉप–ऑर्डर बल्लेबाज सुदर्शन, और ऑलराउंडर नीतीश और सुंदर को शामिल किया गया है। इसके अलावा, मानव सुथार, कुलदीप यादव, सरफराज खान, सारांश जैन और आकिब नबी को टीम से बाहर कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि पहले कुलदीप यादव को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में ठब्ब् ने बताया कि उन्हें टीम से रिलीज कर दिया गया है और उनकी जगह गुरनूर बराड़ को टीम में शामिल किया गया है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। T20I और ODI सीरीज जीतने के बाद, भारतीय टीम टेस्ट सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। प्छरू जसप्रित बुमरा, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर

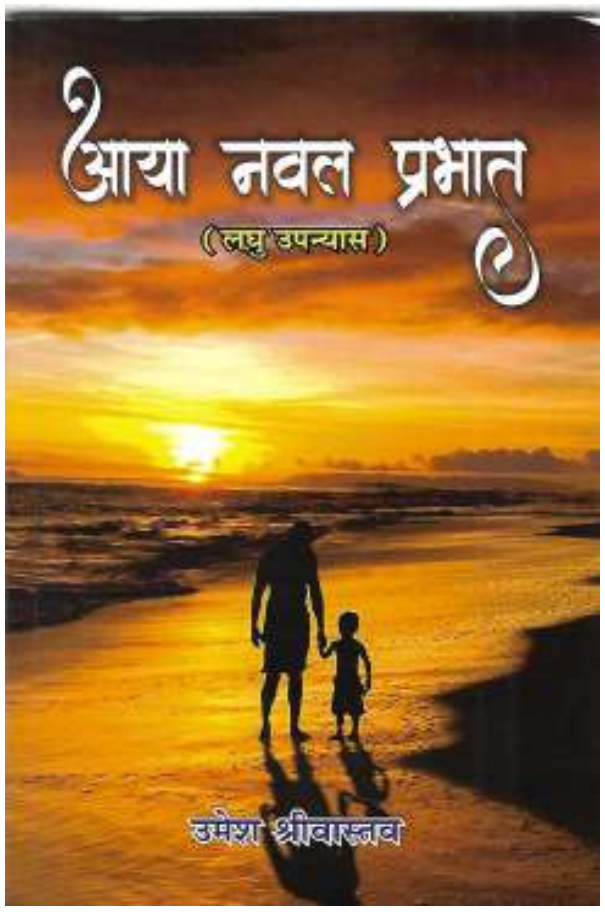
बाहरः मानव सुथार, कुलदीप यादव, सरफराज खान, सारांश जैन, औकिब नबी

भारत की अद्यतन टेस्ट टीमरू शुबमन गिल ख्सी,, यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल ख्वीसी,, देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत ख्डब्ल्यूके,, ध्रुव जुरेल ख्डब्ल्यूके,, रवींद्र जड़ेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रित बुमरा, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और गुरनूर बराड़





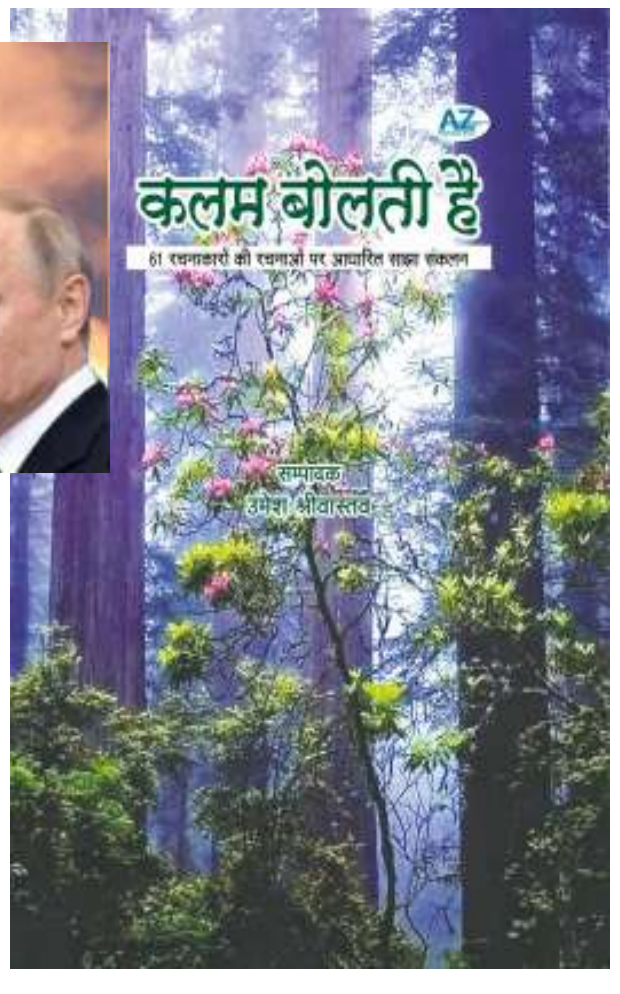
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

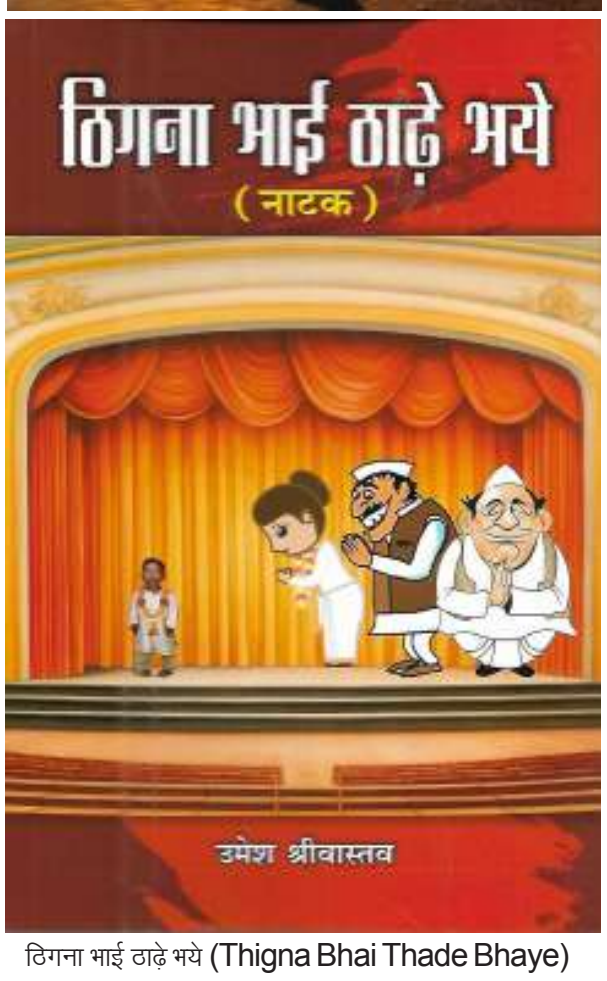






समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पीएम मोदी और नेपाल के बालेन शाह दिखाएंगे हरी झंडी, शुरू होगी अयोध्या–जनकपुर ट्रेन

भारतीय रेलवे ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या को बिहार के सीतामढ़ी होते हुए नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ने वाली एक साप्ताहिक ट्रेन को मंजूरी दी है। इसकी शुरुआत 23 नवंबर को होने की उम्मीद है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह इसे हरी झंडी दिखा सकते हैं। माना जा रहा है कि इस ट्रेन की शुरुआत नेपाल के प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान होगी। मार्च में पदभार संभालने के बाद, यह उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी। यह



मार्ग अयोध्या जिसे भगवान राम की जन्मस्थली माना जाता है को सीतामढ़ी और जनकपुर धाम से जोड़ता है; रामायण परंपरा में ये दोनों स्थान माता सीता से जुड़े हुए हैं। यह ट्रेन अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम के बीच लगभग 604 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह रास्ते में 10 जगहों पर रुकेगीरू उत्तर प्रदेश में अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती और गोरखपुर; तथा बिहार में नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शिशो, मधुबनी और जयनगर। जयनगर से यह नेपाल में प्रवेश करेगी और जनकपुर धाम तक जाएगी। यह ट्रेन हर सोमवार को अयोध्या कैंट से रवाना होगी। वापसी की सेवा हर शनिवार को जनकपुर धाम से चलेगी। भारतीय रेलवे ने कहा कि इस सेवा से तीर्थयात्रियों, और काम, पढ़ाई या परिवार से मिलने के लिए यात्रा करने वाले लोगों के लिए सीमा पार की यात्रा आसान हो जाएगी। साथ ही, उम्मीद है कि इस रूट पर पड़ने वाले शहरों को पर्यटन और व्यापार में बढ़ोतरी से फायदा मिलेगा।

राजकुमार विलियम और राजकुमारी कैथरीन ने मुंबई में सचिन तेंदुलकर संग खेला गली क्रिकेट

ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमारी कैथरीन ने सोमवार को अपनी तीन दिवसीय भारत यात्रा के पहले दिन मुंबई की गलियों में क्रिकेट का आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने स्कूली छात्राओं और क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के साथ गली क्रिकेट खेला। यह कार्यक्रम बैलार्ड एस्टेट के एन मोराजी रोड पर आयोजित किया गया, जहां छोटी बालकनी वाली पुरानी बलुआ पत्थर की इमारतें इस इलाके को औपनिवेशिक काल का रूप देती हैं। शाही दंपति का पारंपरिक ढोल–ताशे के साथ स्वागत किया गया। उन्हें एक बड़े बरगद के पेड़ के नीचे मिट्टी के कुल्हड़ों में 'कटिंग चाय' (आधा कप चाय) भी परोसी गई।

गली क्रिकेट जगह की कमी के कारण संकरी गलियों में खेला जाने वाला क्रिकेट का एक रूप है। कार्यक्रम के बारे में जानकारी इतनी गोपनीय रखी गई थी कि इसमें हिस्सा लेने वाली छात्राओं को भी पता नहीं था कि उनसे मिलने कौन आ रहा है। नागपाड़ा स्थित अंजुमन इस्लाम के बेगम शरीफा कलसेकर गर्ल्स इंग्लिश स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्राओं बटूल फातिमा शेख और उम्मे हानी ने बताया कि उनके शिक्षकों ने 16 नवंबर को एक कार्यक्रम होने की जानकारी दी थी और इच्छुक छात्राओं से इसमें शामिल होने के लिए नाम दर्ज कराने को कहा था। शेख ने कहा, ''दीवाली की छुट्टियां थीं, इसलिए हमने नाम दर्ज करा दिया। लेकिन हमें पता नहीं था कि यहां कौन आने वाला है।'' जब उन्हें बताया गया कि आने वाले अतिथि वेल्स के राजकुमार है, तो वह हैरान रह गईं, मुस्कुराईं और कहा, ''ओह! मैंने उनके बारे में पढ़ा है।'' राजकुमार विलियम और राजकुमारी कैथरीन की यह दूसरी आधिकारिक भारत यात्रा है। इससे पहले उन्होंने अप्रैल 2016 में भारत का दौरा किया था।

ईसीओ बैठक में पाकिस्तान ने उठाई मांग, आतंकवाद पर पड़ोसी देशों की चिंता दूर करे अफगानिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान से क्षेत्रीय सहयोग में प्रगति के लिए पड़ोसी देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं, विशेष रूप से आतंकवाद के खतरे का समाधान करने का आग्रह किया। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इसहाक डार ने कहा कि एक ऐसा स्थिर अफगानिस्तान उसकी जनता के साथ–साथ पूरे क्षेत्र के हित में होगा, जो अपने भीतर और अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे। डार इस्लामाबाद में आयोजित आर्थिक सहयोग संगठन (ईसीओ) की मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित कर रहे थे। ईसीओ एक क्षेत्रीय अंतर–सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 1985 में पाकिस्तान, ईरान और तुर्किये ने की थी। यह दो दिवसीय सम्मेलन रविवार को यहां शुरू हुआ। ईसीओ के सभी 10 सदस्य देशों– पाकिस्तान, अफगानिस्तान, अजरबैजान, ताजिकिस्तान, ईरान, तुर्किये, कजाखस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान के अधिकारी इस बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। डार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव लगातार बना हुआ है।

ईरान को हराना असंभव है! अब अमेरिकी नेताओं ने भी कबूल कर लिया सच, बस एक रास्ता है...



क्या ईरान से युद्ध में दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका अब अकेला और बेबस नजर आने लगा? जो अमेरिका और इजराइल तेहरान में सत्ता परिवर्तन यानी रिजीम चेंज का ख्वाब देख रहे थे, आज खुद उन्हीं के मुल्कों की सियासत ने उन्हें बड़ा झटका दे दिया है। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारत की धरती से एक ऐसा बयान दिया जिसने वाशिंगटन से लेकर तेल अवीव तक खलबली मचा दी। एंटनी ब्लिंकन ने साफ शब्दों में कहा ईरान को हराने का एकमात्र रास्ता है और वो है जमीनी हमला। लेकिन अगर अमेरिका ने ऐसा कदम उठाया तो यह उसके लिए एक महाविनाश साबित हो सकता है। एंटनी ब्लिंकन ने ईरान की भौगोलिक और सैन्य ताकत का पूरा खाका खींचते हुए कहा ईरान अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य से चार गुना बड़ा है और इराक से तीन गुना ज्यादा विशाल है। इसकी आबादी 9 करोड़ है और होर्मुज स्ट्रेट के साथ लगती हुई इसकी तटरेखा अंतहीन है। माने जिसका कोई अंत ही ना दिखे।ब्लिंकन ने चेतावनी भरे लहजे में बताया ईरान लगातार जो खतरनाक हथियार बना रहा, वे देश के काफी अंदरूनी इलाकों में छिपाकर रखे गए हैं। उनकी मारक क्षमता इतनी ज्यादा है कि सिर्फ हवाई हमलों से सब कुछ तबाह ही नहीं किया जा सकता। उन्हें खत्म करने के लिए अमेरिकी सेना को जमीन पर उतरना होगा। और यह एक ऐसी भयानक तबाही होगी जिसकी कीमत अमेरिका नहीं चुका पाएगा। अब जरा इस पूरे युद्ध की सियासी तस्वीर पर नजर डालते हैं। एक तरफ तो खाड़ी देशों ने इस से किनारा करते हुए कूटनीतिक रास्ते की वकालत शुरू कर दी, जिससे अमेरिका इस स्याह दलदल में अकेला और असहाय नज़र आता है। दूसरी तरफ जो नेता ईरान में तख्ता पलट यानी रिजीम चेंज का सपना देख रहे थे, आज खुद उनकी अपनी कुर्सी खतरे में पड़ चुकी है। इज़राइल की प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी संसद में तो बहुमत खो चुके हैं और सत्ता उनके हाथ से फिसलती दिखने लगी। वो लगातार अपने विपक्षी उम्मीदवार और भावी प्रधानमंत्री बताए जा रहे गादी आयोजनकोर्ट से मिलने के लिए लगातार गुहार लगाते नज़र आते हैं। वहीं अमेरिका में भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को मिड टर्म चुनाव में बड़ा झटका लगा और संसद का नियंत्रण उनके हाथों से निकलता हुआ दिख रहा है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार और एक्सपर्ट इसे पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा कदम बताते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दूसरे देश में सत्ता बदलने की जितनी खुद ट्रम्प और नेतन्याहू के लिए घर में ही रिजीम चेंज जैसे हालात पैदा कर दिए। तो एक तरफ ईरान की विशाल भौगोलिक बनावट है, अंदरूनी ठिकानों में छिपे हुए हथियारों का खौफ है, जिसे खुद पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकर ने दुनिया के सामने कबूल किया और दूसरी तरफ वाशिंगटन और यरूशलेम की डगमगाती हुई सियासत। जब पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री इन बातों को कह रहे थे, उस दौरान पूरी दुनिया गौर से इसे सुन रही थी। क्योंकि अमेरिका जो खुद को महाशक्ति बताता है, वो आखिर अपने से छोटे समझ रहे एक देश के ऊपर हमला किया। उस वक्त उसके मन में ख्वाब यही चल रहा था आज हमला और कल ईरान में तख्ता पलट। लेकिन हुआ इसके विपरीत। साल के करीब होने वाले हैं, हमला ईरान में हुआ। लेकिन इज़राइल और अमेरिका में तख्ता पलट जैसी स्थिति बन चुकी है।

यूरोप में पत्थरों से घेराबंदी, आखिर किससे इतना डर? क्या मिला भारत को गाली देने का श्राप



अमेरिका और यूरोप को लगातार अपने कर्मों की सजा मिल रही है। लेकिन इसके बावजूद यह सुधर नहीं रहे। यह देश अभी भी भारत के खिलाफ जहर उगलने से बाज नहीं आ रहे। एक तरफ अमेरिका में काम करने वाले फर्जी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने भारत को तोड़ने का ऐलान करने वाले शरजील इमाम को हीरो बताने की कोशिश की है। तो वहीं दूसरी तरफ इटली के एक वामपंथी और बेरोजगार विपक्षी नेता जियाकोमो फिलिबेक ने भारत में घुसकर पीएम मोदी को भला–बुरा कहा। बहुत छोड़ गया छोड़। राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेताओं ने तालियां बजाई। राहुल गांधी अब इटली से नेताओं को बुलाकर पीएम मोदी का अपमान करवा रहे हैं। मगर अमेरिका और यूरोपीय देशों की हैसियत और औकात इन पत्थरों ने बता दी है। दरअसल दावों के मुताबिक यूरोप के कई देशों में क्रिसमस बाजारों को चारों तरफ से कंक्रीट के इन बड़े–बड़े पत्थरों से घेर दिया गया है। यूरोप के कई देशों खासकर जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्वीडन और ब्रिटेन के क्रिसमस बाजारों के चारों ओर भारी कंक्रीट के ब्लॉक और स्टील के खंभे लगाए जा रहे हैं। इनका मुख्य उद्देश्य किसी भी संदिग्ध वाहन या ट्रक को भीड़ में घुसने से रोकना है। सीधे–सीधे बताएं तो यह देश अपने ही लोगों को आतंकी हमले से बचाने के लिए क्रिसमस बाजारों को कंक्रीट के पत्थरों से घेर रहे हैं। मजे की बात देखिए कि यही देश भारत को नसीहत देते हैं कि रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ भारत को कोई एक्शन नहीं लेना चाहिए। इन लोगों ने अपने देश में घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन नहीं लिया। उसका नतीजा है कि अपने ही देश के लोगों को बचाने के लिए इन्हें बड़े–बड़े कंक्रीट के पत्थर लगाने पड़ रहे हैं। आपको याद दिला दें कि दिसंबर 2016 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक हमलावर ने ट्रक को क्रिसमस बाजार की भीड़ में घुसा दिया था। इस आतंकी हमले में 12 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद दिसंबर 2024 में जर्मनी के मैकडेबर्ग शहर के क्रिसमस बाजार में भी एक कार सवार अपनी गाड़ी को लेकर घुस गया। इस हमले में भी कई लोगों की जान गई थी। तभी से कई यूरोपीय देश क्रिसमस मार्केट के चारों तरफ पत्थर लगा देते हैं। लेकिन यह अपने देश में घुसपैठियों को आने से नहीं रोकते। सबसे शर्मनाक बात यह है कि त्योहारों का माहौल खराब ना हो इसके लिए यह देश इन कंक्रीट ब्लॉक्स को क्रिसमस गिफ्ट या रंग बिरंगे खिलौनों जैसा पेंट कर देते हैं ताकि वहां के लोग और बच्चे इन कंक्रीट ब्लॉक्स को देखकर डरे नहीं। सोचिए इससे बड़ी बुद्दिली क्या हो सकती है? आप यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि इन कड़े इंतजामों पर लाखों यूरो खर्च होते हैं। जिसका बोझ स्थानीय प्रशासन और दुकानदारों पर ही पड़ता है। बढ़ती सुरक्षा लागत के कारण कुछ छोटे शहरों में पारंपरिक क्रिसमस बाजार बंद तक हो गए हैं। यह लोग अपने देश को तो सुधार नहीं पाए, लेकिन अब भारत में आकर इन्होंने पीएम मोदी को गाली देनी शुरू कर दी है। यह लोग अब शजील इमाम को हीरो बता रहे हैं।

एक जगह पर आमने–सामने होंगे दुनिया के 3 सुपरपॉवर, परमाणु हथियारों की रेस पर बड़ा फैसला?

दुनिया की तीन बड़ी ताकत अमेरिका, रूस और चीन के नेता एक ही टेबल पर बैठने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले गुरुवार को चीन के शेनझेन में मुलाकात करेंगे। यह तीनों देशों के नेताओं की पहली त्रिपक्षीय बैठक होगी। एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग जिसे एपिक कहा जाता है। इस सम्मेलन के दौरान होने वाली इस मुलाकात में सबसे ज्यादा चर्चा परमाणु हथियारों पर नियंत्रण को लेकर होने की उम्मीद है। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट है। उसके मुताबिक ईरान और उत्तर कोरिया का मुद्दा भी यहां उठ सकता है। दरअसल इस बैठक का मकसद दुनिया में परमाणु हथियारों की संख्या कम करने की दिशा में बातचीत शुरू करना है। अमेरिका चाहता है कि दुनिया की बड़ी ताकतें अपने परमाणु हथियारों का जखीरा घटाने पर गंभीरता से विचार करें। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने साफ किया है कि इस पहली मुलाकात में किसी समझौते की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसे आगे की बातचीत की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। इस बातचीत का मकसद चीन को परमाणु हथियार बढ़ाने से रोकना है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक चीन का परमाणु हथियारों का जखीरा दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और अमेरिका चाहता है कि चीन भी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण को लेकर रूस और अमेरिका के साथ बातचीत करें। अधिकारी ने यह भी कहा कि चीन जिस तरह अपने परमाणु हथियारों से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखता है, उसका असर पूरी दुनिया की सुरक्षा पर पड़ता है। ऐसे में चीन को भी इस मुद्दे पर खुलकर बात करनी चाहिए। रूस का परमाणु हथियारों पर बातचीत का पुराना अनुभव है। सोवियत संघ के समय से ही रूस इस तरह की चर्चाओं में शामिल रहा है। इसलिए अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि रूस इस बातचीत में ज्यादा सहज रहेगा। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल से ही दुनिया के परमाणु हथियारों का जखीरा कम करने के लिए एक बड़े समझौते की बात करते आए हैं। उनका तर्क है कि दुनिया को कई बार खत्म करने की ताकत रखने वाले हथियारों को बनाए रखना बहुत महंगा है और इस मीटिंग के टाइमिंग को लेकर के भी काफी चर्चाएं हो रही हैं। देखिए यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और चीन के रिश्तों में टेक्नोलॉजी को लेकर तनाव बना हुआ है। हाल ही में आप भी जानते हैं एनवीडिया के प्रमुख जेनसेन हुआंग के



इस्तीफे और चीन के लिए जासूसी के लिए शक वाली महिला से उनके कथित संबंधों को लेकर विवाद चर्चा में है। डोनाल्ड ट्रंप जब मई में चीन के दौरे पर गए थे तब जेनसेन हुवांग भी उनके साथ थे। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक इस बार इस दौरे में ट्रंप शी जिनपिंग के सामने एनवीडिया विवाद का मुद्दा नहीं उठाएंगे। ट्रंप के साथ इस यात्रा में स्पेस और टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क भी चीन जा रहे हैं।

ट्रंप का मानना है कि चीन और रूस जैसे देशों के नेताओं के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखने से अमेरिका और दुनिया दोनों को फायदा हो सकता है। परमाणु हथियारों के अलावा ट्रंप चीन के साथ हुए व्यापार समझौते पर भी बात कर सकते हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर तनाव कम करने के लिए एक समझौता हुआ था। लेकिन अमेरिका का यह आरोप है कि चीन उस पर पूरी तरह अमल नहीं कर रहा है।

हैती राष्ट्रपति पद की रेस में पहली बार तीन महिलाएं शामिल, 30 पुरुष भी मैदान में

हैती के इतिहास में पहली बार तीन महिलाओं ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी दर्ज कराई है। इनके अलावा इस संकटग्रस्त कैरेबियाई देश में अगला राष्ट्रपति बनने की दौड़ में 30 पुरुष भी शामिल हैं। आम चुनाव अगले साल होने हैं और ये एक दशक से अधिक समय बाद होंगे। उम्मीदवारों में पूर्व राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज की पत्नी मार्टिन मोइज, एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री, एक चर्चित अभियोजक और मादक पदार्थों की तस्करी तथा गिरोहों को संरक्षण देने के आरोपों से घिरे पूर्व राष्ट्रपति शामिल हैं। जुलाई 2021 में जोवेनेल मोइज की उनके निजी आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से देश में कोई राष्ट्रपति नहीं रहा। तब से विभिन्न नियुक्त प्रधानमंत्री और एक अंतरिम राष्ट्रपति परिषद देश का शासन संभालते रहे हैं। इस परिषद को फरवरी में भंग कर दिया गया था। राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास ऑनलाइन पंजीकरण कराने के लिए रविवार तक का समय था। हैती की अस्थायी चुनाव परिषद आवेदनों की समीक्षा कर रही है और जनवरी में चुनाव लड़ने की मंजूरी पाने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी करेगी। हैती में राष्ट्रपति चुनाव का पहला चरण अगले साल 18 जुलाई और दूसरा चरण चार अक्टूबर को कराने की योजना है। हालांकि, गिरोहों की हिंसा से जूझ रहे इस देश में चुनाव समय पर हो पाएंगे या नहीं, इसे लेकर विशेषज्ञों ने संदेह जताया है। इस बीच, सुरक्षा बलों और गिरोहों के बीच संघर्ष जारी है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय बल और अल सल्वाडोर के करीब 2,500 सैनिक भी गिरोहों के खिलाफ अभियान में शामिल हैं। राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल प्रमुख नामों में मार्टिन मोइज, पूर्व राष्ट्रपति मिशेल मार्टेली, पूर्व अंतरिम प्रधानमंत्री क्लाउड जोसेफ, अभियोजक जीन अर्नेस्ट मस्कादिन और पूर्व विदेश मंत्री डोमिनिक डुप्यू शामिल हैं। जोवेनेल मोइज की हत्या मामले की जांच के दायरे में मार्टिन मोइज को भी लाया गया था, हालांकि बाद में उनके खिलाफ आरोप रद्द कर दिए गए। मिशेल मार्टेली पर मादक पदार्थों की तस्करी में मदद करने और गिरोहों को संरक्षण देने के आरोप हैं। कनाडा और अमेरिका ने उन पर प्रतिबंध लगाए हैं। तीन महिला उम्मीदवारों में डोमिनिक डुप्यू और कारोबारी एवं समाजसेवी सावरी मैरी–ऐनी सवाना हदीद भी शामिल हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

बुरी तरह से जल उठा बांग्लादेश, होगा तख्तापलट? भारत में बैठे–बैठे शेख हसीना ने चला कौन सा दांव

एक नहीं दो नहीं 22 से ज्यादा जिले बांग्लादेश के बुरी तरह आग में जल रहे हैं। ये बवाल ये जो चीजें हैं तब शुरू हुई जब भारत में रह रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वापस बांग्लादेश में जाने की इच्छा जताई और पासपोर्ट अप्लाई कर दिया। हालांकि बांग्लादेश की सरकार ने उन्हें पासपोर्ट देने से इंकार कर दिया क्योंकि उन्हें आतंकवादी करार दिया गया। ऐसे में जैसे ही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेशी सरकार ने सख्ती दिखाई, शेख हसीना की पार्टी आग बबूला हो उठी। सड़कों पर तांडव मच गया। चारों तरफ बवाल ही बवाल मचने लगा है। कहा जा रहा है कि कट्टरपंथी सड़कों पर ठीक उसी तरह उतर चुके हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

